7 सितंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

थाली की खरीद पर बक्सर शिक्षा विभाग की बड़ी पहल या बड़ा खेल... 3

रोजगार व विकास के मामले में अब बिहार किसी से नहीं रहेगा पीछे : नीतश

- राजपुर से चुनावी हुंकार, नीतीश बोले अब 50 लाख को सरकारी नौकरी, 50 लाख को मिलेगा रोजगार
- एनडीए की एकजुटता पर भरा उत्साह, विपक्ष पर साधा निशाना

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच से भविष्य की योजनाओं का ऐसा खाका खींचा, जिसने कार्यकताओं का जोश दोगुना कर दिया। उन्होंने ऐलान किया कि अब बिहार में न सिर्फ 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया है, बल्कि उतने ही बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर भी सुनिश्चित किए जाएंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि रोजगार और विकास के मामले में बिहार को अब पीछे नहीं रहने दिया जाएगा।

सीएम ने भरोसा दिलाया कि प्रगति यात्रा के दौरान जिन योजनाओं की कड़ी अधूरी रह गई थी, उन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि केंद्र और राज्य की संयुक्त कोशिशों से बिहार में विकास कार्यों की रफ्तार और तेज होगी। केंद्र सरकार से मिले विशेष पैकेज का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि पिछले बजट की तरह इस बार भी बिहार को लाभ मिला है।

विपक्ष पर साधा निशाना, कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में विपक्ष को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस के पास जनता के बीच जाने के लिए अब कोई ठोस मुद्दा नहीं है। यही वजह है कि वे केवल दुष्प्रचार और भ्रम फैलाने में जुटे हैं। सीएम ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि ऐसे लोगों की बातों से सावधान रहना जरूरी है, तभी एनडीए आगामी चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर पाएगा। राजपुर की इस सभा में खास आकर्षण तब देखने को मिला जब नीतीश कुमार ने मंच पर पूर्व मंत्री संतोष निराला को बुलाकर जनता से उनके पक्ष में समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संतोष निराला ईमानदार और कर्मठ नेता हैं, जिन्होंने मंत्री रहते हुए जिले के विकास में अहम भूमिका निभाई थी। इस अपील के बाद जिले की चार विधानसभा सीटों में से एक सीट पर संभावित प्रत्याशी का नाम लगभग तय हो गया माना जा रहा है।

विकास की सौगात और चुनावी रणनीति

नीतीश कुमार ने मंच से सड़क, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी योजनाओं का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि चौड़ी सड़कों और बदले हुए इंफ्रास्ट्रक्चर को विपक्ष पचा नहीं पा रहा है, इसलिए वे तरह-तरह के आरोप लगाते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बिहार में हर क्षेत्र में विकास हुआ है, और यही एनडीए की असली ताकत है। सभा में जुटी भीड़ और उत्साहित कार्यकताओं की मौजूदगी ने इस संवाद को चुनावी हुंकार में बदल दिया। मुख्यमंत्री के भाषण के बाद साफ हो गया कि एनडीए अब पूरी ताकत से आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर चुका है। कुल मिलाकर, राजपुर का यह संवाद कार्यक्रम सिर्फ पार्टी कार्यकताओं का जमावड़ा नहीं बल्कि एनडीए की ओर से चुनावी बिगुल था। मुख्यमंत्री के घोषणाओं और अपील ने यह संकेत दे दिया कि आने वाले चुनाव में रोजगार और विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है।

गुजरात के पावागढ़ मंदिर का रोपवे तार टूटने से छह की मौत

सुबह से बंद था यात्रियों का रोपवे

पावागढ़ पहाड़ी करीब 800 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु या तो 2000 सीढ़ियां चढ़कर या फिर रोपवे से मंदिर पहुंचते हैं। हालांकि शनिवार सुबह से खराब मौसम की वजह से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा बंद कर दी गई थी। हादसा मालवाहक रोपवे में हुआ, जिसका इस्तेमाल सामान ले जाने के लिए किया जाता है। इस मामले में मंत्री रुशिकेश पटेल ने बताया कि हादसा टावर नंबर-एक के पास हुआ, जब सामान ढोने वाले बोगी की तार अचानक टूट गई और बोगी नीचे गिर गई। सभी शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने जांच समिति बनाई है और सरकार को प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

केटी न्यूज/पंचमहल

गुजरात के पंचमहल जिले में स्थित पावागढ़ शक्ति पीठ में शनिवार को बड़ा हादसा हुआ। मालवाहक रोपवे की तार टूटने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लिफ्टमैन और दो मजदूर भी शामिल हैं। हादसे के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें राहत-बचाव में जुटी हैं। खराब मौसम के चलते यात्रियों के लिए रोपवे पहले से बंद था। गुजरात के पंचमहल जिले में शनिवार को पावागढ़ शक्ति पीठ में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मालवाहक रोपवे की तार अचानक टूटने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लिफ्टमैन, दो मजदूर और दो अन्य शामिल बताए जा रहे हैं। यह हादसा दोपहर करीब 3रू30 बजे हुआ। घटना की पुष्टि पंचमहल कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक हरेश दुधात ने की है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। प्रशासन की टीमें मौके पर डटी हुई हैं। शुरूआती जांच में हादसे की वजह तार टूटना बताई जा रही है। फिलहाल तकनीकी कारणों की गहराई से जांच की जा रही है। पावागढ़ शक्ति पीठ मां काली को समर्पित मंदिर है। यह स्थान गुजरात का प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां हर साल लगभग 25 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में मातम और दहशत का माहौल है। लोग हादसे को लेकर चिंता जता रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि हादसे की असली वजह तकनीकी जांच के बाद ही साफ हो पाएगी। फिलहाल मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया गया है। वहीं इस हादसे ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजकोट जिले में एक एसयूवी पलटने से एक इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना जसदण तालुका के जंगवाड़ गांव के पास शनिवार को रात 1रू30 पर हुई। मृतकों की पहचान आंध्र प्रदेश के नरेश कोडावती (19), मोती हर्ष (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। इंस्पेक्टर आरएस सकारिया ने बताया कि राजकोट की आरके यूनिवर्सिटी के 12 छात्र छुट्टियां मनाने दीव जा रहे थे।

अमृतसर मंदिर ग्रेनेड से हमला करने वाला मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार

केटी न्यूज/नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी सफलता मिली है। जांच एजेंसी ने अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले के एक प्रमुख वांछित आतंकवादी शरणजीत कुमार उर्फ सनी को गिरफ्तार किया है।पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला के कादियां गांव निवासी शरणजीत को शुक्रवार को बिहार के गया से पकड़ा गया। यह गिरफ्तारी 15 मार्च 2025 को हुए आतंकी हमले के सिलसिले में की गई, जिसमें वह साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि यह हमला दो बाइक सवार आतंकवादियों, गुरसिदक सिंह और विशाल गिल ने

विदेशी आकाओं के निर्देश पर अंजाम दिया था। जांच एजेंसी ने पाया कि यूरोप, अमेरिका और कनाडा में मौजूद इन आकाओं ने भारत में अपने कार्यकताओं को हथियार, धन, रसद सहायता और लक्ष्य का विवरण प्रदान किया। शरणजीत ने 1 मार्च 2025 को बटाला में एक अन्य आरोपी से चार हथगोलों की खेप प्राप्त की थी और हमले से दो दिन पहले गुरसिदक और विशाल को एक-एक हैंड ग्रेनेड सौंपा था। एनआईए ने बताया कि शरणजीत पिछले एक महीने से फरार था। जब बटाला में तलाशी अभियान चलाया गया था। मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी के आधार पर गहन जांच के बाद उसे गया में पकड़ा गया। जांच में यह भी सामने आया कि गुरसिदक और विशाल हैंड ग्रेनेड, हथियारों और गोला-बारूद की खरीद और आपूर्ति में शामिल थे। यह हमला एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा था, जिसे विदेशी संचालकों ने भारत में अंजाम दिलवाया।

शुरू होने से ठीक पहले रोक दिया गया धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कार्यक्रम

केटी न्यूज/आगरा

ताज नगरी आगरा में बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की धर्मसभा भारी भीड़ की वजह से प्रशासन ने रद्द कर दी। बारिश के कारण स्थान पहले ही बदला गया था। लेकिन सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम शुरू होने से एक घंटे पहले अनुमति वापस ले ली गई। आगरा में बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की धर्म सभा शुरू होने से एक घंटे पहले प्रशासन ने इसकी अनुमति रद्द कर दी है। कार्यक्रम के आयोजकों ने भी इसकी पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि अनुमति रद्द करने का कारण भारी भीड़ जमा होने की आशंका थी। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने आयोजकों को यह जानकारी दी। धर्मसभा में लगभग दो हजार लोगों की अनुमति थी, लेकिन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही दस हजार से अधिक लोग पहुंच गए थे। ग्वालियर, भिंड, मुरैना और आसपास के अन्य जनपदों से लगातार लोग पहुंच रहे थे। भीड़ के कारण कानून-व्यवस्था भंग होने की संभावना थी। जिसे देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से यह कदम उठाया गया। इस बारे में बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को भी सूचित किया गया है। ध्यान देने वाली बात है कि इससे पहले शुक्रवार को बारिश के कारण धर्मसभा के स्थान में बदलाव किया गया था।

पिंडदान करके पितरों की आत्मा को मोक्ष दिलाने जुटेंगे श्रद्धालु

गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृ पक्ष मेला 2025 का हुआ शुभारंभ

केटी न्यूज/गयाजी

गयाजी में पितृपक्ष मेला 2025 का वैदिक मंत्रों के साथ शुभारंभ हुआ। देश-विदेश से पिंडदानी अपने पितरों की मुक्ति के लिए पहुंच रहे हैं। मेला 6 से 21 सितंबर तक चलेगा। गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2025 का भव्य शुभारंभ आज वैदिक मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बिहार सरकार के प्रभारी मंत्री ने मेला का उद्घाटन किया। वहीं दूसरी ओर पिंडदान करके पितरों की आत्मा को मोक्ष दिलाने जुटेंगे। श्रद्धालु

पितरों के मुक्तिधाम गयाजी में राजकीय पितृपक्ष मेले का शुभारंभ शनिवार की शाम को हो गया। छह से 21 सितंबर तक इस मेले का आयोजन होगा. उद्घाटन समारोह में मंत्री और सांसद-विधायक आदि मौजूद रहे. 21 सितंबर तक चलने वाले इस राजकीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन-प्रवचन आदि का भी आयोजन होना है। शनिवार को हुए उद्घाटन समारोह में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह, गया जिला प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, विधायक मंजू अग्रवाल, मेयर गणेश पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद रहे। विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के लिए गयाजी में 324 सेक्टर अधिकारियों की तैनाती की गयी है। विदेशों से भी आने वाले श्रद्धालुओं पर प्रशासन की नजर रहेगी. पिंडदानियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए विष्णुपद मंदिर के पास पुलिस कंट्रोल रूम भी खोल दिया गया है। सुबह तीन बसे से रात 11 बजे तक गयाजी शहर के किसी भी रूट पर ट्रक और बस जैसे बड़े वाहनों के चलने पर रोक लगा दी गयी है।

एनडीए ने बिहार में कानून का राज कायम किया है : नीतीश कुमार

- राजपुर में सीएम नीतीश कुमार ने दी सौगातें, 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और राजपुर सुरक्षित क्षेत्र से प्रत्याशी की हुई घोषणा
- मुख्यमंत्री ने राजपुर से एक साथ दिया विकास की सौगात और चुनावी संदेश
- मुख्यमंत्री को देखने दूर-दूर से आए थे लोग, सुरक्षा की रहे

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर प्रखंड का नायरा पेट्रोल पंप परिसर शनिवार को राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बना रहा। मौका था सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन का, जहां उन्होंने जिले को विकास की सौगात भी दी और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक संदेश भी साफ कर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री द्वारा 325.13 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं के शिलान्यास से हुई। इसके बाद उन्होंने प्रदर्शनी स्टॉल का मुआयना किया और योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। लेकिन वास्तविक गर्मी तब आई जब मंच से मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर प्रहार और एनडीए की उपलब्धियों का बखान किया।

विकास बनाम अराजकता पर केन्द्रित रहा सीएम का उद्बोधन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पहले की सरकारों में भय और अराजकता का माहौल था, जबकि एनडीए ने बिहार में कानून का राज कायम किया। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क और महिलाओं के रोजगार जैसे क्षेत्रों में एनडीए सरकार ने मिसाल कायम की है।

युवाओं को नौकरी और रोजगार के अवसर देने का वादा करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए विशेष योजना का भी एलान किया। उनके मुताबिक, महिलाओं को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता मिलेगी और आगे चलकर यह मदद 2 लाख रुपये तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हर घर तक नल-जल, शौचालय और मुफ्त बिजली पहुंचाना हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

उपमुख्यमंत्री ने किया विपक्ष पर तीखा वार

कार्यक्रम में मंच पर मौजूद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस और राजद पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बिहारियों का अपमान कर उन्हें ह्यबी से बीड़ीह्ल कहा था। आज वही कांग्रेस और राजद मिलकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। सम्राट चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, केवल भ्रम की राजनीति है। वहीं सिंचाई मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि इस बार का चुनाव पूरी तरह विकास के मुद्दे पर लड़ा जाएगा। उनका दावा था कि जनता विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति को समझ चुकी है और एनडीए की नीतियों के साथ खड़ी है।

चुनावी शक्ति प्रदर्शन में बदला संवाद कार्यक्रम

एनडीए का यह संवाद कार्यक्रम केवल योजनाओं की घोषणा या विकास का बखान भर नहीं रहा। पूरे आयोजन को चुनावी शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा गया। मंच पर मौजूद तमाम नेताओं ने एकजुटता का संदेश दिया और जनता से अपील की कि वे आगामी चुनाव में एनडीए को ही समर्थन दें। बक्सर और आसपास के इलाकों से जुटी भीड़ और कार्यकताओं का उत्साह इस बात का प्रमाण था कि कार्यक्रम केवल सरकारी आयोजन नहीं बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा था।

दोहरी जीत की कोशिश

एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास की उपलब्धियां गिनाकर जनता को लुभाने की कोशिश की, वहीं प्रत्याशी की घोषणा कर कार्यकताओं में चुनावी ऊर्जा भी भर दी। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि यह कदम एनडीए की ओर से चुनावी बिगुल फूंकने जैसा है, जिसका असर आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति पर साफ दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को बेताब दिखे लोग

संवाद कार्यक्रम के दौरान लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को बेताब दिखे। इस दौरान कार्यक्रम स्थल से लेकर जिन रास्तों से मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने वाला था, उन रास्तों पर लोग मुख्यमंत्री की झलक पाने के लिए तल्ख धूप के बावजूद घंटो खड़े रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री का काफिला जिधर से गुजरता, लोग नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे लगाने लगते। भीड़ में महिलाओं की संख्या भी काफी अधिक थी।

चाक-चौबंद थी सुरक्षा व्यवस्था

मुख्यमंत्री के संवाद कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था काफी दुरूस्त थी। एसपी शुभम आर्य के नेतृत्व में जिला पुलिस व बाहर से आए जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात थे। बड़ी संख्या में महिला सिपाहियों को भी तैनात किया गया था। कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में रहे, ताकी कही से भी किसी तरह की गड़बड़ी न हो सके। वहीं, मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात स्पेशल कमांडो भी मंच पर घेरा बना रखे थे। इस दौरान किसी को भी मुख्यमंत्री के करीब नहीं जाने दिया गया। सिर्फ पूर्व से जिन लोगों को स्वीकृति मिली थी, उन्हें ही मंच पर जगह दिया गया।

राजपुर में मुख्यमंत्री ने विकास की उपलब्धियों का किया बखान, पूर्व की सरकारी की गिनवाई खामियां

- कार्यकर्ता संवाद में 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सरकार की उपलब्धियों और आने वाले विकास कार्यों की झलक पेश की। सीएम ने इस दौरान 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया, जबकि पहले से लंबित परियोजनाओं का उद्घाटन कर जनता को नई सौगात दी। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि बिहार में कोई योजना अधूरी न छूटे और हर काम की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

सीएम ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए 2005 से पहले की स्थिति को याद किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में बिहार अपराध, अपहरण और बेरोजगारी का गढ़ बन चुका था। सड़क, स्वास्थ्य और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की हालत बदतर थी। ह्लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। आज हर टोले तक सड़क पहुंच चुकी है, हर गांव में स्वास्थ्य केंद्र है और हर घर में नल का जल योजना का लाभ मिल रहा है। पहले पटना जैसे शहर में दिनभर में आठ घंटे बिजली मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज गांव-गांव में 20 घंटे से अधिक बिजली मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2005 में जहां सिर्फ 350 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था और उपभोक्ताओं की संख्या महज 17 लाख थी, वहीं अब 2 करोड़ 14 लाख उपभोक्ता हैं। इनमें से 1 करोड़ 70 लाख उपभोक्ता ऐसे हैं जिनका बिजली बिल शून्य है। साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब लोग अपने घरों में आसानी से सोलर पैनल लगाकर बिजली की बचत कर सकते हैं।

नीतीश कुमार ने ह्यजीविकाह्ल समूह की महिलाओं की आर्थिक मजबूती पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़कर लाखों दीदियां स्वावलंबी बनी हैं। इसके साथ ही महिला रोजगार योजना की शुरूआत की गई है, जिसके तहत इच्छुक महिलाओं को दस हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सीएम ने जिले की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने डुमरांव में मेडिकल कॉलेज, वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज, इटाढ़ी में इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी पॉलिटेक्निक और आईटीआई जैसे संस्थानों की स्थापना को बड़ी उपलब्धि बताया। साथ ही पुल-पुलिया और आधारभूत ढांचे के निर्माण को विकास की गति का प्रतीक बताया।

फरवरी 2025 के केंद्रीय बजट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट और मखाना बोर्ड का गठन बिहार को नई पहचान देगा। कार्यकताओं से मुखातिब होते हुए सीएम ने भरोसा दिलाया कि बिहार की विकास यात्रा बिना रुके आगे बढ़ती रहेगी।

पूर्व मंत्री संतोष निराला को विस चुनाव में जीताने की अपील

केटी न्यूज/बक्सर

कार्यक्रम का सबसे अहम पल तब आया जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री संतोष निराला पर भरोसा जताते हुए कार्यकताओं से उन्हें जिताने की अपील की। इस तरह मंच से राजपुर विधानसभा सीट के लिए एनडीए ने पहला आधिकारिक प्रत्याशी घोषित कर दिया। यह कदम न सिर्फ राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है बल्कि कार्यकताओं के उत्साह को भी नया बल देने वाला साबित हुआ।

मिथिला में माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा, उद्योगों को मिलेगी एक रुपये में जमीन : सम्राट चौधरी

- डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले नीतीश के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास, कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील

केटी न्यूज/राजपुर

बक्सर। राजपुर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ, उसी तरह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देखरेख में मिथिला में माता सीता की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। सम्मेलन में सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। यदि कोई उद्योगपति एक हजार करोड़ रुपये का निवेश करता है और कम से कम एक हजार बिहारवासियों को रोजगार देता है, तो उसे मात्र एक रुपये में 25 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इससे प्रदेश में उद्योग और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि 30 सितंबर को अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी, जिसके बाद कभी भी चुनाव की घोषणा हो सकती है। ऐसे में एनडीए के कार्यकताओं को चाहिए कि वे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं। डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नई माई-बहन योजना के नाम पर ग्रामीण महिलाओं से फार्म भरवा रहे हैं, जबकि ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं है। यह जनता को ठगने की कोशिश है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को सतर्क रहना चाहिए। सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास कार्य हुए हैं। अब कार्यकताओं को चाहिए कि एकजुट होकर जिले की चारों विधानसभा सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने चेताया कि पिछली गलतियों को दोहराने से बचना होगा।

जांच में पाया गया तीन हाईमैक्स लाइट एक सौ मीटर के दायरे से भीतर लगे हैं

नियम को ताक पर रखकर शहर में लगाए गए हैं हाईमास्ट लाइट

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में जो भी काम किये जा रहे हैं, नियम को ताक पर रख कर किया जा रहा है। ऐसे ही एक कार्य कराया गया है हाईमास्ट लाइट लगाने का, जिस पर कम्पलेन एसडीओ डुमरांव के पास किया गया था। मिले कम्पलेन पर एसडीओ ने तीन सदस्यीय टीम गठित करते हुए जांच की जिम्मेवारी सौंपी थी। उक्त जांच टीम में बीडीआ डुमरांव, कार्यपालक दंडाधिकारी डुमरांव और भूमि सुधार उप समहर्ता डुमरांव को शामिल किया गया था। इन तीनों अधिकारियों को यह जांच करना था कि नगर नया थाना, गड़ेरी मोहल्ला मोड़ और डा. जगनारायण सिंह मोड़ पर हाईमास्ट लाइट जो लगाए गए थे, तीन सौ मीटर के दायरे में हैं की कम में। जांच में यह सही पाया गया कि हाईमैक्स लाइट जो लगाया गया है, तीन सौ मीटर के कम दूरी पर लगाए गए हैं।

हालांकि जांच अधिकारियों ने तीन सौ मीटर के भीतर हाईमास्ट लाइट लगाने का कारण लोगों का डिमांड का हवाला दिया है। अब यह सवाल उठता है कि हाईमास्ट लाइट लगाने का जा नियम है, उसके भीतर ही काम करना होगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। जांच रिपोर्ट में यह बताया गया है कि लोगों के डिमांड पर नियम के विरूद्ध कार्य करते हुए हाईमास्ट लाइट लगाया गया है। इधर शिकायतकर्ता फुटपाथी संघ के जिलाध्यक्ष मिंटू हाशमी का कहना है कि यह कोई दलील नहीं हुई की लोगों के डिमांड पर नियम को ताक पर रख दिया जाए। इससे साफ जाहिर होता है कि व्यक्तिगत लाभ को लेकर सारे नियम को ताक पर रख लाइट को लगाया गया है। जांच में यह भी कहा गया है कि जगनारायण सिंह मोड़ पर हाईमास्ट लाइट लगाए जाने से पुराना थाना रोड में रोशनी जाती है, जिससे आवागमन में सुविधा मिलता है। इस पर शिकायतकर्ता का कहना है कि शहीद पार्क के पास जो हाईमास्ट लाइट लगाया गया है, उससे पुराना थाना रोड पूरी तरह से गुलजार रहता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि जहां हाईमास्ट लाइट लगा है, वहीं पर स्ट्रीट लाइट भी लगा दिया गया है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि नप ने किस तरह से राशि का दुरूपयोग किया है। इधर शिकायतकर्ता मिंटू हाशमी का कहना है कि इस जांच रिपोर्ट से मै संतुष्ट नहीं हूं, इसकी शिकायत डीएम, विभागी मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की जाएगी।

एक नजर

रघुनाथपुर स्टेशन पर सुविधाओं की मांग तेज, रेल यात्री समिति का दो दिवसीय धरना शुरू

ब्रह्मपुर। रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन को यात्री सुविधाओं से लैस करने की मांग को लेकर रेल यात्री कल्याण समिति ने शनिवार से दो दिवसीय धरने की शुरूआत की। समिति के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर पाठक की अगुवाई में आयोजित इस आंदोलन में सैकड़ों लोग शामिल हुए और स्टेशन की बदहाल स्थिति पर तीखा आक्रोश जताया। धरने के दौरान वक्ताओं ने साफ कहा कि यात्रियों की मूलभूत जरूरतों की लगातार अनदेखी अब असहनीय हो चुकी है। प्रमुख मांगों में श्रमजीवी एक्सप्रेस, पंजाब मेल समेत कई ट्रेनों का रघुनाथपुर स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा स्टेशन पर प्रतीक्षालय, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं की बहाली की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई। समिति के संयोजक नागेंद्र मोहन सिंह ने चेतावनी दी कि यदि रेलवे प्रशासन ने एक बार फिर इन मांगों को टाल दिया तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से आवाज उठाई जा रही है, लेकिन समाधान नहीं मिला। इस बार अगर अनदेखी हुई तो रेल चक्का जाम जैसे कठोर कदम उठाए जाएंगे। धरने में शामिल ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों से भी समिति ने अपील की कि वे इस लड़ाई में साथ आएं, क्योंकि यह किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि आम रेल यात्रियों के अधिकारों का आंदोलन है। वक्ताओं ने कहा कि रेलवे प्रशासन की सुस्ती ने यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित कर रखा है और अब इस उपेक्षा के खिलाफ निर्णायक संघर्ष होगा।सभा में सर्वसम्मति से तय किया गया कि 6 और 7 सितंबर को धरना समाप्त होने के बाद भी यदि मांगें पूरी नहीं होतीं तो बड़े पैमाने पर जनांदोलन खड़ा किया जाएगा। धरना स्थल पर माहौल जोशीला रहा और बार-बार यह घोषणा होती रही कि अब समझौता नहीं होगा। मौके पर सीताराम ठाकुर, जावेद अख्तर, संदीप कुमार राय, शिव प्रसाद पांडेय, सत्येंद्र कुमार, प्रभुनाथ पाल, संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और आंदोलन को समर्थन दिया।

जीवउत्पुत्रिका व्रत को लेकर उठे भ्रम का निपटा फैसला, 14 सितंबर को होगा व्रत, 15 को पारण

डुमरांव। सावन-भादो के पर्व-त्योहारों में तिथि की उलझन अक्सर आमजन को असमंजस में डाल देती है। ऐसा ही हाल इस बार जीवउत्पुत्रिका व्रत को लेकर देखा गया। कुछ विद्वानों की अलग-अलग राय के चलते महिलाओं और श्रद्धालुओं के बीच संशय गहराने लगा था। यहां तक कि सोशल मीडिया पर विद्वत समाज को लेकर अभद्र टिप्पणियां तक होने लगीं। इसी विवाद को सुलझाने के लिए शनिवार 6 सितंबर को शाहाबाद रेंज के प्रमुख विद्वानों की एक अहम बैठक सिमरी स्थित काल रात्रि मंदिर प्रांगण में बुलाई गई। बैठक में सर्वसम्मति से स्पष्ट किया गया कि जीवउत्पुत्रिका व्रत चंद्रव्यापी ब्रत है। नियम के अनुसार इसमें अष्टमी तिथि की संध्या और पारण के समय नवमी तिथि का होना आवश्यक है। इसी आधार पर यह निर्णय लिया गया कि जीवउत्पुत्रिका व्रत 14 सितंबर, रविवार को रखा जाएगा और पारण 15 सितंबर, सोमवार को सुबह 6 बजकर 26 मिनट के बाद किया जाएगा। विद्वानों ने कहा कि हृषिकेष पंचांग, महावीर पंचांग सहित सभी प्रमुख पंचांगों में भी यही तिथि दर्ज है, इसलिए किसी तरह का भ्रम नहीं रहना चाहिए। बैठक में उपस्थित विद्वानों ने यह भी अपील की कि धार्मिक विषयों पर बिना पूरी जानकारी के टिप्पणी करना समाज और संस्कृति दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि शास्त्र और परंपरा की मयार्दा बनाए रखें और पाखंड फैलाने वाले तत्वों से बचें। इस निर्णय के बाद अब श्रद्धालुओं के बीच व्याप्त उलझन दूर हो गई है। बैठक में पंडित प्रो. मुक्तश्वर शास्त्री, पंडित पवित्र कुमार दूबे, पंडित अरुण चौबे, आचार्य धनजी चौबे, पंडित गणेश ओझा, पंडित अभयानंद पांडेय, पंडित विजयानंद पांडेय, पंडित राधेश्याम दूबे, पंडित संजय ओझा, पंडित कामतानाथ ओझा, पंडित सत्रुंजय ओझा सहित बड़ी संख्या में विद्वान मौजूद रहे। अब महिलाओं में यह संतोष है कि परंपरागत आस्था का पर्व सही तिथि पर विधिवत रूप से संपन्न होगा। धार्मिक आचार्य मानते हैं कि यह व्रत संतान की लंबी आयु और सुख-समृद्धि का प्रतीक है और इसकी महत्ता पीढ़ियों से अक्षुण्ण बनी हुई है।

शिक्षा विभाग द्वारा जिन एजेंसियों को दी गई जिम्मेवारी उनमें दो पर बेंच-डेस्क की घटिया आपूर्ति के आरोप में इटाढ़ी थाने में दर्ज हुआ है एफआईआर

थाली की खरीद पर बक्सर शिक्षा विभाग की बड़ी पहल या बड़ा खेल...

- **प्रधानमंत्री पोषण योजना निदेशक के पत्र को दरकिनार कर एजेंसियों को मिली जिम्मेवारी, शिकायतों का दौर जारी**

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए थाली उपलब्ध कराने का मामला अब तूल पकड़ चुका है। निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना, बिहार, पटना द्वारा जारी पत्रांक 90232/2023, संख्यांक-2558, दिनांक 21.11.2023 के आलोक में बक्सर जिला शिक्षा विभाग ने थाली खरीद के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिसके तहत प्रधानाध्यापकों की जगह थाली खरीद की जिम्मेवारी एजेंसियों को दी गई, लेकिन विभाग का यह निर्णय अब सवालों के घेरे में आ गया है।

बता दें कि निदेशक के पत्र में साफ निर्देश दिए गए थे कि विद्यालयों की आवश्यकता के अनुसार प्रधानाध्यापकों द्वारा स्थानीय स्तर पर थाली क्रय की जाएगी। इसके लिए प्रति थाली कक्षा 1 से 5 के लिए 120 रुपये और कक्षा 6 से 8 के लिए 140 रुपये की अधिकतम दर तय की गई थी। साथ ही, थाली की लंबाई-चौड़ाई, मोटाई और वजन तक का मानक तय कर दिया गया था ताकि गुणवत्ता से समझौता न हो।

बक्सर जिले में अलग रास्ता अपनाया गया

लेकिन, बक्सर में इस पत्र को लागू करने का तरीका ही बदला गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मध्यान्ह भोजन योजना), बक्सर द्वारा 02.01.2024 को जारी पत्र में यह स्पष्ट किया गया कि विद्यालय स्तर पर थाली खरीदने की बजाय एजेंसियों को यह जिम्मेवारी सौंपी गई। पत्र में 11 एजेंसियों की सूची जारी करते हुए इन्हें आपूर्ति का कार्य सौंपा गया। सूत्रों की मानें तो विभाग का यह निर्णय निदेशक के आदेश के विपरीत था। क्योंकि पत्र में प्रधानाध्यापक को जिम्मेवारी सौंपी गई थी, जबकि जिले में खरीद एजेंसियों को सौंप दी गई।

शिकायत और विवाद

इसी बीच, बक्सर निवासी परिवादी हरे कृष्णा यादव ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना था कि थाली खरीद में अनियमितता बरती गई है और विद्यालय स्तर पर निर्णय लेने के बजाय एजेंसियों के माध्यम से भारी पैमाने पर खरीद कराई जा रही है। उन्होंने इस संदर्भ में परिवाद सहित लिखित शिकायत भी दी।

शिकायत के जवाब में जिला शिक्षा विभाग ने दावा किया कि थाली की खरीद पूरी तरह नियमानुकूल है। विभागीय पत्र में यह कहा गया कि निदेशक के आदेश का पालन करते हुए थाली आपूर्ति सुनिश्चित कराई गई है और विद्यालयों को मानक के अनुसार थाली उपलब्ध हो रही है।

विभागीय सूत्रों का दावा, हुआ मैनेज का खेल

हालांकि विभागीय सूत्रों की माने तो एजेंसियों के माध्यम से थाली आपूर्ति कराने का निर्णय मैनेजमेंट का खेल है। सूत्रों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और चयनित एजेंसियों की लिस्ट भी सवालों के घेरे में है।

पत्रों से उजागर होती स्थिति

इस संबंध में निदेशक मध्याह्न भोजन योजना व बक्सर डीपीओ द्वारा जारी पत्रों से यह उजागर हो रहा है कि निदेशक पर बक्सर के डीपीओ भारी पड़ गए है। बता दें कि निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना, बिहार, पटना का पत्रांक 90232/2023, संख्यांक-2558, दिनांक 21.11.2023 को पत्र जारी किया था, जबकि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मध्यान्ह भोजन योजना, बक्सर का पत्रांक 3, दिनांक 02.01.2024 है।इन दोनों पत्रों के बीच अंतर साफ झलकता है। जहां एक ओर निदेशक ने विद्यालय प्रधानाध्यापक को जिम्मेदारी दी थी, वहीं दूसरी ओर जिले ने यह जिम्मेदारी एजेंसियों को सौंप दी।

क्या कहता है नियम और हकीकत

शिक्षा विभाग का तर्क है कि विद्यालयों को थाली उपलब्ध कराना आवश्यक था, इसलिए एजेंसियों को शामिल कर प्रक्रिया को सरल बनाया गया। वहीं शिकायतकताओं और विभागीय सूत्रों का मानना है कि विद्यालय स्तर पर खरीद से पारदर्शिता बनी रहती, जबकि एजेंसियों के माध्यम से खेल होने की संभावना अधिक है। मामला अब जिले में चर्चा का विषय बन गया है। शिक्षा विभाग के इस निर्णय पर न केवल अभिभावक और स्थानीय लोग बल्कि स्वयं विद्यालयों के शिक्षक भी सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में तो स्थिति यह है कि कई जगह थाली समय पर उपलब्ध ही नहीं हो पाई।

चयनित दो एजेंसियों पर हो चुका है एफआईआर

बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा जिन एजेंसियों का चयन थाली खरीद के लिए किया गया है, उनमें दो एजेंसी आलम ब्रदर्श व ब्राइट इंडिया पर घटिया बेंच-डेस्क की आपूर्ति मामले में इटाढ़ी थाने में एफआईआर भी दर्ज कराया गया है। जिससे साफ हो रहा है कि जानबूझकर दागी एजेंसियों का चयन विभाग द्वारा किया गया है, ताकी मैनेज के खेल में किसी तरह की बाधा न हो पाए।

बड़ा सवाल, क्या होगी कार्रवाई

शिकायतों और आरोपों के बीच यह मामला अब उच्च स्तर तक पहुंच गया है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि अगर इस पर सही ढंग से जांच हुई तो बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा हो सकता है। फिलहाल, शिक्षा विभाग अपनी सफाई दे रहा है और शिकायतकर्ता अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं।बता दें कि प्रधानमंत्री पोषण योजना की मंशा विद्यार्थियों को पोषण और सुविधा देने की है। लेकिन बक्सर का यह मामला दिखाता है कि आदेश और उसके क्रियान्वयन में कैसे अंतर आ जाता है। निदेशक का पत्र और जिले के आदेश में अंतर ने सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि इन सवालों का जवाब कब और कैसे मिलता है।

बरुहा में करंट की चपेट में आ आठ वर्षीय मासूम की मौत

केटी न्यूज/ ब्रह्मपुर

शनिवार की सुबह ब्रह्मपुर प्रखंड के बगेन गोला थाना क्षेत्र के बरूहा गांव में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। गांव के आठ वर्षीय मासूम अंकुश कुमार यादव की मौत खेत में बिछाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से हो गई। घटना के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। ग्रामीणों के अनुसार, बरूहा गांव निवासी भूटेल यादव ने अपनी सब्जी की खेती को पशुओं से बचाने के लिए खेत के चारों ओर नंगा तार खींच रखा था। बताया जाता है कि उसमें रोजाना करंट प्रवाहित किया जाता था। इसी बीच शौच के लिए निकले मनोज यादव के बेटे अंकुश की करंट लगे तार से टकराने पर मौके पर ही मौत हो गई। मासूम की असामयिक मौत से जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरा गांव गमगीन है। स्थानीय लोगों ने बताया कि खेत में इस तरह बिजली का करंट छोड़े जाने को लेकर पहले भी आपत्ति जताई गई थी, लेकिन चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि लापरवाही से हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को हिला दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही बगेन गोला थानाध्यक्ष अभय शंकर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। कनीय विद्युत अभियंता दयाशंकर ने कहा कि मामला गंभीर है, जांच की जा रही है। यदि उपभोक्ता दोषी पाया जाता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि दोषियों को सख्त सजा मिले ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

विकास पुरुष लालमुनी चौबे की जयंती पर स्मरण

- **जनप्रतिनिधित्व और सादगी से जनता के दिलों में बनाई जगह**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोकसभा क्षेत्र के चार बार के पूर्व सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. लालमुनी चौबे की जयंती पर शनिवार को नगर भाजपा इकाई की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष (पश्चिमी) अजय वर्मा ने की जबकि संचालन नगर महामंत्री अंजय चौबे ने किया।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. लालमुनी चौबे ने बक्सर के विकास को नई दिशा देने के लिए अपने संसदीय कार्यकाल में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे लगातार चार बार सांसद निर्वाचित हुए और इस दौरान उन्होंने स्थानीय समस्याओं को संसद तक मजबूती से पहुँचाने का काम किया। उनकी छवि सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले नेता की रही, जिन्होंने हमेशा जनता के हित को प्राथमिकता दी। पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार सिंह ने उन्हें याद करते हुए कहा कि चौबे न केवल सफल जनप्रतिनिधि रहे बल्कि बक्सर की जनता के सच्चे सेवक और विकास पुरुष के रूप में उनकी पहचान बनी। उनके राजनीतिक जीवन की दृढ़ता और जनता के बीच गहरी पैठ आज भी प्रेरणास्रोत है।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि चौबे को जनता ने अपार स्नेह और सम्मान दिया। यही वजह है कि आज भी बक्सर की गलियों से लेकर गांवों तक लोग उन्हें श्रद्धा से स्मरण करते हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वक्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि चौबे के सपनों के अनुरूप बक्सर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम में भाजपा नेता अमर जायसवाल, संत सिंह, श्रीमन नारायण तिवारी, सुनील सिंह, संध्या पांडे, राकेश महतो, राकेश सिंह, सुभाष सिंह, रमेश वर्मा, अजय श्रीवास्तव, गोरखनाथ वर्मा, मनीष चौबे, राजेश पांडे, आशु राय, अक्षय ओझा, सूर्यभान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा महज स्मरण भर नहीं रही, बल्कि यह बक्सर की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को यह याद दिलाने का अवसर भी बना कि जनता के लिए समर्पित नेतृत्व ही स्थायी पहचान बनाता है।

डुमरांव विस चुनाव : जनता के उम्मीदों पर खरा उतरूंगा अजीत कुशवाहा ने दिया धोखा : रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा के अंतर्गत गोपाल डेरा गांव पहुंचे डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी व जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और भरोसा दिलाया कि यदि उन्हें मौका मिला तो गांव की तस्वीर बदल देंगे। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खड़ा उतरना ही उनकी पहली प्राथमिकता होगी। गांव की स्थिति देखकर रवि उज्ज्वल ने कहा कि यहां के लोग वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी जरूरतें आज तक पूरी नहीं हो सकी हैं। ग्रामीणों से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि विधायक का भंड़ा फूट रहा है, इस गांव तक विधायक अजीत कुमार आज तक नहीं पहुंचे। यह बात मैं नहीं, यहां के लोग कह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान विधायक अजीत कुशवाहा ने जनता को धोखा दिया है। गोपाल डेरा जैसे गांवों की अनदेखी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। रवि उज्ज्वल ने ग्रामीणों से वादा किया कि विधानसभा चुनाव जीतने के बाद एक साल के भीतर गांव में सड़क, पानी और बिजली की समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए सत्ता का खेल नहीं बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है।गांव में करीब 120 परिवार रहते हैं, लेकिन अब तक न तो किसी जनप्रतिनिधि ने ध्यान दिया और न ही प्रशासनिक स्तर से कोई पहल हुई। इस उपेक्षा से लोग निराश हैं और बदलाव की ओर देख रहे हैं। सभा के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इनमें राजेंद्र नट, रामावती देवी, मदन रजक, मालती देवी, सीता देवी, देव कुमारी देवी, अनिता देवी, पूनम देवी, राजमुनी देवी, कमला देवी, बसंती देवी, बबन तेली, मुन्नी देवी, इन्दु देवी, धर्मेंद्र पासी सहित कई लोग शामिल थे। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और नई उम्मीद के साथ रवि उज्ज्वल का समर्थन जताया। लोगों का कहना था कि अबकी बार उन्हें ऐसा प्रतिनिधि चाहिए जो गांव में विकास की गंगा बहाए, न कि चुनाव जीतकर गायब हो जाए। डुमरांव की सियासत में इस जनसंपर्क को बदलाव की आहट माना जा रहा है। अब देखना होगा कि रवि उज्जवल के वादे और जनता का समर्थन आने वाले चुनाव में कितना असर दिखाता है।

सोशल मीडिया संयोजक बने युवा भाजपा नेता हेमंत कुमार, बधाइयों का लगा तांता

केटी न्यूज/डुमरांव

भारतीय जनता पार्टी संगठन में लगातार नई ऊजाओं को शामिल कर रही है। इसी कड़ी में बक्सर जिले में सोशल मीडिया संयोजक की अहम जिम्मेदारी हेमन्त कुमार को सौंपी गई है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और राजनीतिक संदेशों के प्रसार में इसकी भूमिका को देखते हुए पार्टी ने यह दायित्व उन्हें सौंपा है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद हेमन्त कुमार ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है। उन्होंने बिहार भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उसे वह पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा सोशल मीडिया सदैव राष्ट्रहित और समाजहित में कार्य करता रहा है और आगे भी यही दिशा बनी रहेगी। हेमन्त कुमार का मानना है कि युवाओं तक संगठन की नीतियों और योजनाओं को पहुंचाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ही आज सबसे सशक्त माध्यम है, जिसके जरिए पार्टी के संदेश को तेजी से और व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। उनकी इस नियुक्ति पर पार्टी कार्यकताओं और नेताओं ने खुशी जताई। सभी ने माना कि हेमन्त कुमार लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और सोशल मीडिया के क्षेत्र में उनका अनुभव पार्टी को और मजबूत करेगा। शुभकामनाएं देते हुए कार्यकताओं ने कहा कि यह कदम संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक है और आने वाले समय में इसका सकारात्मक असर दिखेगा।

कार्यकर्ता संवाद में 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

राजपुर में मुख्यमंत्री ने विकास की उपलब्धियों का किया बखान, पूर्व की सरकारी की गिनवाई खामियां

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सरकार की उपलब्धियों और आने वाले विकास कार्यों की झलक पेश की। सीएम ने इस दौरान 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया, जबकि पहले से लंबित परियोजनाओं का उद्घाटन कर जनता को नई सौगात दी। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि बिहार में कोई योजना अधूरी न छूटे और हर काम की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

सीएम ने कार्यकताओं से संवाद करते हुए 2005 से पहले की स्थिति को याद किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में बिहार अपराध, अपहरण और बेरोजगारी का गढ़ बन चुका था। सड़क, स्वास्थ्य और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की हालत बदतर थी। ह्लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। आज हर टोले तक सड़क पहुंच चुकी है, हर गांव में स्वास्थ्य केंद्र है और हर घर में नल का जल योजना का लाभ मिल रहा है। पहले पटना जैसे शहर में दिनभर में आठ घंटे बिजली मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज गांव-गांव में 20 घंटे से अधिक बिजली मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2005 में जहां सिर्फ 350 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था और उपभोक्ताओं की संख्या महज 17 लाख थी, वहीं अब 2 करोड़ 14 लाख उपभोक्ता हैं। इनमें से 1 करोड़ 70 लाख उपभोक्ता ऐसे हैं जिनका बिजली बिल शून्य है। साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब लोग अपने घरों में आसानी से सोलर पैनल लगाकर बिजली की बचत कर सकते हैं।

नीतीश कुमार ने ह्यजीविकाह्व समूह की महिलाओं की आर्थिक मजबूती पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़कर लाखों दीदियां स्वावलंबी बनी हैं। इसके साथ ही महिला रोजगार योजना की शुरूआत की गई है, जिसके तहत इच्छुक महिलाओं को दस हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सीएम ने जिले की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने डुमरांव में मेडिकल कॉलेज, वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज, इटाढ़ी में इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी पॉलिटेक्निक और आईटीआई जैसे संस्थानों की स्थापना को बड़ी उपलब्धि बताया। साथ ही पुल-पुलिया और आधारभूत ढांचे के निर्माण को विकास की गति का प्रतीक बताया।

फरवरी 2025 के केंद्रीय बजट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट और मखाना बोर्ड का गठन बिहार को नई पहचान देगा। कार्यकताओं से मुखातिब होते हुए सीएम ने भरोसा दिलाया कि बिहार की विकास यात्रा बिना रुके आगे बढ़ती रहेगी।

नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान 5 सालों में देंगे 1 करोड़ रोजगार और नौकरियां

- लालू तेजस्वी पर कसा तंज बीजेपी के साथ जदयू का पुराना रिश्ता

केटी न्यूज/आरा

बिहार के मुख्यमंत्री ने भोजपुर जिले के जगदीशपुर खेल मैदान से एक बड़ा ऐलान किया है। नीतीश कुमार ने खेल मैदान में आयोजित एनडीए संवाद कार्यक्रम के दौरान अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी देने का वादा किया है। नीतीश कुमार ने बताया कि अब तक हमारी सरकार ने 29 लाख लोगों को रोजगार देने का काम किया है। आने वाले पांच सालों में 1 करोड़ रोजगार हमारी सरकार देगी। कार्यक्रम के दौरान नीतीश कुमार ने 2005 से पहले लालू यादव की सरकार पर एक बार फिर से तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आप लोग तो जानते ही है पहले की सरकार कोई काम करती थी। शाम होने के बाद घर से कोई निकलता था। कोई रास्ता था। पहले का हाल बहुत बुरा था। लेकिन नवंबर 2005 में जब हमारी बीजेपी और जदयू की सरकार बनी तो हमलोगों ने काम करना शुरू किया। हम लोगों ने बिजली दिया, सड़क बनवाए। वहीं उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि

कुछ लोग गड़बड़ करता था। पहले तो कुछ नहीं करता था। हमारे साथ आया तो गड़बड़ करने लगा और दो बार आया तो गड़बड़ किया। लेकिन अब हम लोग बीजेपी और जेडीयू साथ में रहने वाले है। बीजेपी और जेडीयू का पुराना रिश्ता है। हम लोगों ने सब जगह से काम करना शुरू किया है। हमारी पार्टी शुरू से ही शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देती आई है। 7 निश्चय के तहत हर घर बिजली, शौचालय देने का काम किया गए। सड़क का काम किया गया। नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग तो जगह जगह घूम रहे है। जिले में भी जा कर देखे है। काम हो रहा है और उसी के हिसाब से सोचे आपके यहां भी एक बार आए। आपलोगो से बात करने का मौका मिला है। मैं आप लोगों का अभिनन्दन करता हूं। वहीं राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 400 से बढ़ाकर राशि 1100 कर दी गई है। पूरे राज्य भर में 1 करोड़ 12 लाख लोगों को सीधे तौर पर फायदा पहुंच रह है। वहीं कार्यक्रम के दौरान नीतीश कुमार जगदीशपुर नायका टोला कार्यक्रम स्थल पर नीतीश कुमार ने लगभग चार सौ करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। भोजपुर जिले को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सौगात मिली है। सीएम नीतीश कुमार ने 740 करोड़ 38 लाख की लागत से कुल 432 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जवइनिया गांव के 187 बाढ़ पीड़ितों को 2 करोड़ 24 लाख 40 हजार रुपए राहत के तौर पर दी गई। 105 करोड़ 16 लाख की लागत से आरा-बक्सर फोरलेन (एनएच 922) से छपरा भाया बबुरा पथ का 6 लेन में चौड़ीकरण कार्य होगा। 33 करोड़ 89 लाख की लागत से जीरो माइल से पातर तक पथ का चौड़ीकरण है।18 करोड़ 43 लाख की लागत से संदेश से अगर गांव होते हुए कोइलवर तक नहर बांध पर रोड बनेगा।86 करोड़ की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के तहत आउटफॉल नाला, संप हाउस और न्यू पुलिस लाइन से एमपी बाग नाला मोड़ तक नए संरेखण का निर्माण होगा। 31 करोड़ 30 लाख की लागत से चंदवा से गांधी होते हुए धरहरा तक नहर बांध पर रोड बनेगा। 14 करोड़ 11 लाख की लागत से आरा रेलवे स्टेशन से जज कोटी मोड़ तक पथ चौड़ीकरण का काम होगा। इसके अलावा 53 करोड़ 94 लाख की लागत से वैंपाली से चंदवा मोड होते हुए पकड़ी चौक तक पथ का निर्माण होगा। 37 करोड़ 19 लाख की लागत से अरने देवी मंदिर (आरा) से आरा-बक्सर फोरलेन पथ (भाया आराझसिन्हा एवं आराझबड़हरा) पथ का चौड़ीकरण किया जाएगा। 27 करोड़ 87 लाख की लागत से ओझाबलिया पुल से बचारी पुल तक बाइपास निर्माण होगा। 18 करोड़ 43 लाख की लागत से बिहियां चौरस्ता से ठ्ठ 922 तक पथ का चौड़ीकरण। 14 करोड़ की लागत से भोजपुर जिला अंतर्गत तरारी के ग्राम देव सूर्य मंदिर परिसर का विकास होगा।नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान 5 सालों में देंगे 1 करोड़ रोजगार और नौकरियां, लालू तेजस्वी पर कसा तंज बीजेपी के साथ जदयू का पुराना रिश्ता बिहार के मुख्यमंत्री ने भोजपुर जिले के जगदीशपुर खेल मैदान से एक बड़ा ऐलान किया है। नीतीश कुमार ने खेल मैदान में आयोजित एनडीए संवाद कार्यक्रम के दौरान अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी देने का वादा किया है। नीतीश कुमार ने बताया कि अब तक हमारी सरकार ने 29 लाख लोगों को रोजगार देने का काम किया है। आने वाले पांच सालों में 1 करोड़ रोजगार हमारी सरकार देगी। कार्यक्रम के दौरान नीतीश कुमार ने 2005 से पहले लालू यादव की सरकार पर एक बार फिर से तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आप लोग तो जानते ही है पहले की सरकार कोई काम करती थी। शाम होने के बाद घर से कोई निकलता था। कोई रास्ता था। पहले का हाल बहुत बुरा था। लेकिन नवंबर 2005 में जब हमारी बीजेपी और जदयू की सरकार बनी तो हमलोगों ने काम करना शुरू किया। हम लोगों ने बिजली दिया, सड़क बनवाए। वहीं उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग गड़बड़ करता था। पहले तो कुछ नहीं करता था। हमारे साथ आया तो गड़बड़ करने लगा और दो बार आया तो गड़बड़ किया। लेकिन अब हम लोग बीजेपी और जेडीयू साथ में रहने वाले है। बीजेपी और जेडीयू का पुराना रिश्ता है। हम लोगों ने सब जगह से काम करना शुरू किया है। हमारी पार्टी शुरू से ही शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देती आई है। 7 निश्चय के तहत हर घर बिजली, शौचालय देने का काम किया गए। सड़क का काम किया गया। नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग तो जगह जगह घूम रहे है। जिले में भी जा कर देखे है। काम हो रहा है और उसी के हिसाब से सोचे आपके यहां भी एक बार आए। आपलोगो से बात करने का मौका मिला है। मैं आप लोगों का अभिनन्दन करता हूं। वहीं राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 400 से बढ़ाकर राशि 1100 कर दी गई है।

शिक्षक दिवस पर प्रो. अखिलेश कुमार दूबे को मिला विद्यासेतु सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षक दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब के स्पीकर हॉल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे को विद्यासेतु सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान और समाज को बौद्धिक दिशा देने वाली सेवाओं को देखते हुए यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। कार्यक्रम में देश के कई प्रख्यात व्यक्तित्व मौजूद थे। इनमें पद्मभूषण से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय, पद्मश्री समाजसेवी अशोक भगत, सांसदगण, चांसलर, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और बुद्धिजीवी वर्ग शामिल रहे। हॉल में उपस्थित सभी

गणमान्यों ने प्रो. दुबे को सम्मानित होते देख गर्व की अनुभूति की और उनकी विद्वत्ता की सराहना की। दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से जुड़कर उच्च शिक्षा की दिशा में काम करने वाले प्रो. दुबे की जड़ें हालांकि बिहार के बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव से जुड़ी हुई हैं। यह वही मिट्टी है जिसने उन्हें बचपन से ही शिक्षा के महत्व को समझाया और आज वही गांव दिल्ली की भव्य रोशनी में गर्व से अपना नाम सुन रहा है। गांव के लोग भी इस उपलब्धि पर हर्षित हैं कि दुबौली का बेटा न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय का गौरव बना है बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि प्रो. दुबे ने इतिहास की गहराइयों को छात्रों तक सरल भाषा में पहुंचाकर न केवल शिक्षा को रोचक बनाया बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका यह प्रयास शिक्षा को सिर्फ डिग्री तक सीमित नहीं रखता बल्कि समाज में मूल्यबोध जगाने वाला बनाता है। विशेष बात यह भी रही कि दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी प्रोफेसर को पहली बार यह सम्मान दिया गया और उस सूची में अकेले प्रो. अखिलेश कुमार दूबे का नाम दर्ज हुआ। यह उपलब्धि दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ बिहार की शैक्षणिक धारा को भी गौरवान्वित करती है। कार्यक्रम के दौरान प्रो. दूबे ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि उनके परिवार, विद्यार्थियों और उस गांव का है जिसने उन्हें संस्कार और शिक्षा की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ह्यशिक्षक दिवस पर यह सम्मान मिलना मेरे लिए दोगुनी खुशी है, क्योंकि शिक्षक का असली पुरस्कार तभी है जब समाज आपके योगदान को स्वीकार करे। समारोह का समापन करते हुए आयोजकों ने उम्मीद जताई कि प्रो. दूबे जैसी शख्सियतें आगे भी शिक्षा और समाज के बीच ह्यविद्यासेतुह्व का काम करती रहेंगी।

दुल्हन—सा सजा राजपुर, नीतीश के स्वागत में जीविका दीदियों की तालियां

- योजनाओं के स्टॉल चमके, मगर संवाद न होने से महिलाओं में मायूसी

शंकर पांडेय/राजपुर

राजपुर प्रखंड मुख्यालय का मध्य विद्यालय खेल मैदान शनिवार को किसी उत्सव स्थल की तरह जगमगा रहा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन को लेकर पूरे मैदान को दुल्हन-सा सजाया गया था। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह की पहल पर करीब 18 विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, सामाजिक सुरक्षा, भूमि एवं राजस्व जैसे विभागों ने अपनी योजनाओं का सीधा प्रदर्शन किया।

बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से बच्चों को मिलने वाले पौष्टिक आहार और कुपोषण से बचाव की जानकारी दी गई, तो वहीं स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदर्शित किया। किसानों के लिए उद्यान विभाग ने वानिकी-बागवानी एवं मुख्यमंत्री बागवानी मिशन के तहत मिलने वाले लाभ और उपकरणों का प्रदर्शन कर दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसी बीच जीविका दीदियों का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम स्थल पर सीएम के पहुंचते ही उन्होंने तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया। उमस भरी गर्मी और इंतजार की थकान के बावजूद उनके चेहरे पर उम्मीद साफ झलक रही थी। नीतीश कुमार ने मंच से महिलाओं के लिए एक बड़ी घोषणा भी कीकृमुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत इस महीने के अंत तक हर जीविका दीदी के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाएंगे। बाकी राशि उन्हें रोजगार से जुड़ने पर दी जाएगी।

हालांकि, दीदियों की सबसे बड़ी उम्मीद पूरी नहीं हुई। वे सीएम से सीधे संवाद की आस लगाए बैठी थीं, लेकिन मंच से बातचीत का मौका नहीं मिला। महज पांच मिनट का संबोधन कर नीतीश एनडीए संवाद कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। नतीजा यह हुआ कि तालियों से गूंजा मैदान उनके जाते ही नाराजगी और मायूसी में बदल गया।

कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था में बीडीओ सिद्धार्थ कुमार समेत सभी विभागों के अधिकारी-कर्मी जुटे रहे। सजावट, स्टॉल और योजनाओं की चमक तो खूब रही, लेकिन संवाद की कमी ने इस भव्य आयोजन में अधूरापन छोड़ दिया।

सोनवर्षा पुलिस ने बाली गांव से चोरी की तीन बाइक बरामद की

- दो नाबालिग चोर गिरफ्तार, अन्य की तलाश में छापेमारी

केटी न्यूज। नावानगर

सोनवर्षा थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए बाली गांव से चोरी की तीन बाइक बरामद की है। पुलिस ने इस दौरान दो चोरों को भी गिरफ्तार किया है। संभवतः दोनों चोर नाबालिग है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पकड़े गए चोरों की निशानदेही पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बाली गांव में चोरी की बाइक छुपाकर रखी

गई है। इसके आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने तीनों बाइक को बरामद कर लिया। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि दो बाइक भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेहरा गांव से चोरी की गई थी, जबकि एक बाइक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इधर बाइक बरामदगी की सूचना मिलने पर पीड़ित बाइक मालिक सोनवर्षा थाना पहुंचे और अपनी-अपनी बाइक की पहचान की। बेहरा गांव निवासी टुनटुन कुमार ने बताया कि करीब एक सप्ताह पूर्व शाम के समय अपनी बाइक दरवाजे पर खड़ी कर घर के अंदर आराम करने चले गए थे। सुबह उठने पर देखा कि दरवाजे पर खड़ी दोनों बाइक गायब हैं। घटना के बाद उन्होंने अपने स्तर से खोजबीन की और नजदीकी थाना को इसकी सूचना भी दी थी। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने कहा कि चोरी की बाइक की बरामदगी और नाबालिग चोरों की गिरफ्तारी से मामले की बड़ी कड़ी खुल गई है। शेष फरार चोरों की तलाश के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

एक नजर

नीतीश के बक्सर दौरे पर कांग्रेस का हमला सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप

बक्सर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राजपुर आगमन को लेकर बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई को विकास में लगाने के बजाय महज दो घंटे के चुनावी प्रचार पर पानी की तरह बहाना बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार युवा भटक रहे हैं, महिलाएं दर-दर की ठोकर खा रही हैं, और ऐसे समय में सरकारी धन का

अस्थायी हेलीपैड व अन्य तैयारियों पर खर्च करना जनता का अपमान है। डॉ. पांडे ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो कभी नीतीश कुमार पर तीखे बयान देते थे, वही आज चाटुकारिता की सीमाएं लांघकर सत्ता की ठग विद्या में माहिर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की छवि अब भाजपा के साथ रहते हुए पूरी तरह बदल चुकी है। पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. प्रमोद ओझा सहित जय राम राम, वीरेंद्र राम, भोला ओझा, त्रिलोकीनाथ मिश्रा, अजय यादव, अभय मिश्रा, रोहित उपाध्याय व अन्य नेताओं ने भी इस दौरे को विधानसभा चुनावी तैयारी करार देते हुए आपत्ति जताई और इसे सरकारी संसाधनों का खुला दुरुपयोग बताया।

रात का अद्भुत नजारा: आज लगेगा चंद्र ग्रहण, जानिए धार्मिक और ज्योतिषीय पहलू

ब्रह्मपुर। रविवार की रात आकाश में एक अनोखा नजारा दिखने वाला है। चांद की छटा पर ग्रहण की परछाई पड़ेगी और यह खगोलीय घटना देर रात तक चलेगी। खगोल प्रेमियों के लिए यह वैज्ञानिक दृष्टि से उत्सुकता का विषय है, वहीं धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं के चलते लोग इसे विशेष महत्व दे रहे हैं। पंडित कौशल प्रभु मिश्रा के अनुसार चंद्र ग्रहण की शुरूआत रात 9:57 बजे होगी। ठीक 11:27 बजे इसका मध्य रहेगा और अंत यानी मोक्ष 1:27 बजे होगा। शास्त्रों में कहा गया है कि ग्रहण से नौ घंटे पहले से सूतक काल शुरू हो जाता है। इस दौरान मंदिरों में प्रवेश, मूर्तियों का स्पर्श और भजन-कीर्तन करना वर्जित माना जाता है। हालांकि बच्चों, वृद्धों और रोगियों पर यह नियम लागू नहीं होता। ग्रहण काल को लेकर परंपरागत सावधानियां भी बताई जाती हैं। भोजन की वस्तुओं को अशुद्ध होने से बचाने के लिए उसमें तुलसी पत्र या कुश डालने की सलाह दी जाती है। ग्रहण खत्म होने के बाद पीने का पानी बदलना आवश्यक माना गया है। खासकर गर्भवती महिलाओं को इस दौरान सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि ग्रहण का समय साधना और मंत्र-जप के लिए अत्यंत फलदायी होता है। इस अवधि में किया गया जाप, स्तोत्र पाठ और ध्यान साधक को विशेष लाभ देता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह ग्रहण कुंभ राशि में लग रहा है। पंडित मिश्रा ने बताया कि कुंभ राशि वालों को ग्रहण देखने से बचना चाहिए। राशिफल के अनुसार मेष, वृष, कन्या और धनु जातकों के लिए यह ग्रहण शुभ फल लाने वाला है। वहीं मिथुन, सिंह, तुला, कर्क, वृश्चिक, मकर, कुंभ और मीन राशि के लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ग्रहण के बाद स्नान और पूजा-अर्चना का विधान है। मंदिरों में भगवान की मूर्तियों का अभिषेक कर पुनः आरती की जाती है और श्रद्धालु अपने घरों में भी शुद्धि कर्म कर पूजा कर सकते हैं। आज की यह रात विज्ञान और आस्था दोनों का अद्भुत संगम बनने जा रही है—जहां एक ओर आकाशीय घटना सबको रोमांचित करेगी, वहीं दूसरी ओर धर्म और परंपरा लोगों को आत्मिक शांति की ओर ले जाएंगी।

मानवता : सड़क पर बर्तन धो रही बच्ची को डीएम ने विद्यालय में नामांकन का दिया निर्देश

सासाराम । जिला क्षेत्र के कोचस में शनिवार को निरीक्षण करने पहुंची जिला पदाधिकारी, उदिता सिंह ने सड़क किनारे एक छोटी बच्ची को बर्तन धोते देखा। जिसके बाद डीएम उदिता सिंह ने तुरंत बच्ची के पास पहुंची और बड़े अपनत्व से बातचीत की। बच्ची की परेशानी सुनने के बाद उन्होंने उसे आश्वासन दिया कि उसका नामांकन विद्यालय में दो दिनों में कराया जाएगा। ताकि उसका भविष्य संवर सके और उसे पढ़ाई का पूरा अवसर मिले। डीएम ने मौके पर ही जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश देते हुए सोमवार तक बच्ची का नामांकन हर हाल में सुनिश्चित करने को कहा। दूसरी तरफ जिला पदाधिकारी की इस कार्य की पूरे जिले में भूरी-भूरी प्रशंसा हो रही है।

शराब की बड़ी खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

दावथ । रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार के निर्देश पर शराब धंधेबाजों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत दावथ थाने की पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कामयाबी हासिल की और भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब को धंधेबाजों के साथ किया जब्त। इसकी जानकारी देते हुए दावथ थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बतलाया कि पुलिस को मिली गुप्त सूचना का आधार पर अरबिंद कुमार उम्र करीब 36 वर्ष पिता मुनारीका यादव तथा संजीव कुमार उम्र करीब 28 वर्ष पिता यमुना पासवान दोनों ग्राम योगिनी थाना दावथ जिला रोहतास को 67 कार्टून 8 पीएम अंग्रेजी शराब करीब 578.88 लीटर एवं एक बारह चक्का ट्रक के साथ थाना क्षेत्र के मलियाबाग से गिरफ्तार किया गया हैं।

पिछले 6 महीने में ₹करोड़ों की नकली दवाई खरीद चुके बिहार के लोग

दर्जन भर से ज्यादा दुकानों का किया गया लाइसेंस रद्द

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना में नकली दवाओं का एक बड़ा नेटवर्क उजागर हुआ है जो वर्षों से मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहा था। औषधि नियंत्रक प्रशासन की हालिया कार्रवाई ने इस गोरखधंधे की परतें खोल दीं हैं। इस वर्ष अब तक करोड़ों रुपये की नकली दवाओं की बिक्री हुई है, गोविंद मित्रा रोड से लेकर परसा बाजार तक इन बिक्री करने वाले दुकानों की संख्या अच्छी खासी है। इन दवा दुकानों से लिए गए 38 सैंपल फेल पाए गए, जिनमें कई नामी दवाओं में जरूरी दवाइयां नहीं बल्कि साधारण पाउडर भरा था। इससे सैकड़ों मरीजों की जिंदगी

खतरे में पड़ गई है क्योंकि बीमारी से राहत की उम्मीद में वे लगातार जहरीली या बेअसर दवाएं ले रहे थे। विभाग ने 16 दुकानों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं और दोषी कंपनी व दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। औषधि नियंत्रक नित्यानंद क्रिशलय की अगुवाई में गठित टीम ने थोक दवा बाजार और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की है। 16 दुकानों से लिए गए नमूनों की जांच में 38 दवाएं मानक पर खरी नहीं उतरीं। इनमें दर्द, बुखार, सर्दी-जुकाम, ब्लड प्रेशर, शुगर और एंटीबायोटिक दवाएं शामिल थीं। चौंकाने वाली बात यह रही कि टेक्सिम, स्पैक्सिम जैसी एंटीबायोटिक्स, डेक्सामेथासोन इंजेक्शन और एंटी-एलर्जिक जेंटामाइसिन जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं में 72 प्रतिशत तक पाउडर भरा था। इन दवाओं में सक्रिय तत्व (सॉल्ट) की कमी से मरीजों को न राहत मिली और न ही उनका इलाज हुआ बल्कि कई मामलों में स्थिति और भी बिगड़ गई। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नकली दवाएं 10 रुपये की लागत पर 100 रुपये तक बेची जा रही थीं, जिससे कारोबारियों को भारी मुनाफा हो रहा था। परसा बाजार के कुरथौल इलाके में स्थित एक कंपनी नकली दवा निर्माण का केंद्र पाई गई। यहां से डेक्सामेथासोन, जेंटामाइसिन, वारमोलिन और अन्य इंजेक्शन जब्त किए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कंपनी की खरीद बहुत कम थी लेकिन बाजार में बिक्री असामान्य रूप से ज्यादा। इससे अन्य कंपनियों पर शक हुआ और पूरा नेटवर्क उजागर हो गया है। यह कारोबार केवल पटना तक सीमित नहीं बल्कि बिहार के कई जिलों में फैला था। जांच एजेंसियों का अनुमान है कि यह गोरखधंधा वर्षों से चल रहा था और सैकड़ों मरीजों को इसका शिकार होना पड़ा। नकली दवाओं के सेवन से कई मरीजों की हालत गंभीर हो गई क्योंकि वे असली इलाज से वंचित रहे। विभाग ने दोषी पाए गए दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। 16 दुकानों के लाइसेंस रद्द हो चुके हैं और मुकदमा दर्ज कर जांच जारी है। औषधि नियंत्रक ने कहा कि नकली दवाओं के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था की जड़ें मजबूत हों। मरीजों को सलाह दी गई है कि वे हमेशा लाइसेंस्ड दुकानों से दवाएं खरीदें और संदिग्ध दवाओं की जांच कराएं। सरकार ने भी इस मुद्दे पर सख्ती का वादा किया है।

सहरसा : ई-रिक्शा से कोरेक्स कफ सिरप की तस्करी, 1000 बोतल बरामद, चालक समेत तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी। सहरसा

सहरसा जिले में नशा कारोबार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत उत्पाद विभाग की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ई-रिक्शा से हो रही कोरेक्स की तस्करी का भंडाफोड़ किया और 1000 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया। सहरसा में नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने मुहिम छेड़ रखी है। इसी क्रम में उत्पाद विभाग की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी मुताबिक कोरेक्स तस्कर ई रिक्शा से कोरेक्स की तस्करी कर रहा था, जिसकी गुप्त सूचना उत्पाद पुलिस को मिली थी। प्राप्त सूचना के आलोक में कार्रवाई करते हुए उत्पाद विभाग की पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के कचहरी चौक, रैक प्वाइंट के पास से एक ई रिक्शा चालक समेत दो लोगों को हिरासत में लिया। ई रिक्शा पर लोड कार्टून की जांच की गई तो भारी मात्रा में कोरेक्स बरामद हुआ। पुलिस ने पांच कार्टून में बंद 1000 बोतल कोरेक्स बरामद किया। गिरफ्तार कोरेक्स तस्कर की पहचान सदर थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप चौक निवासी अंशु उर्फ राजा कुमार और ई रिक्शा चालक की पहचान रामफल साह टोला निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई है। गिरफ्तार दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी टीम में एएसआई अविनाश कुमार, मधनिषेध सिपाही दिलीप कुमार, गृहरक्षक विजय कुमार, अमरजीत कुमार साह और सिंकी कुमारी शामिल रही।

घर के सभी सदस्य कई महीनों से मुंबई में रह रहे थे

जनसुराज नेता के घर 50 लाख की चोरी गहना और नगद पर चोरों ने किया हाथ साफ

एजेंसी। दरभंगा

दरभंगा के लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बलभद्रपुर मोहल्ले में शनिवार की रात बड़ी चोरी की वारदात हुई। जनसुराज नेता प्रतिभा सिंह के मायके और उनके चाचा शशिभूषण सिंह के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य की संपत्ति चोरी कर ली। प्रतिभा सिंह ने बताया कि चोरी गए सामान में करीब 35 हजार रुपए नकद, सोने की चैन, कान की बाली, सोने का ब्रेसलेट, उनकी बहन की बेटी को उपहार में दिए गए गहने, चांदी के चार गिलास, लगभग 60 चांदी के सिक्के, पायल समेत अन्य कीमती धातु की वस्तुएं, कपड़े और बर्तन शामिल हैं।उन्होंने बताया कि घर के सभी सदस्य कई महीनों से मुंबई में रह रहे थे। उनके बड़े चाचा-चाची सात-आठ महीने पहले मुंबई चले गए थे और छोटे चाचा भी गणपति पूजा पर मुंबई गए हुए थे। इसी दौरान घर खाली था और चोरों ने मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया।घर के मालिक राजेश मोहन सिंह ने लहेरियासराय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में कहा गया है कि परिवार के सभी सदस्य मुंबई में थे और घर खाली पड़ा था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने लाखों की संपत्ति चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही लहेरियासराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस मोहल्ले में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं, एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर सैंपल जुटाने में लग गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नदी में बह गए 4 बच्चे, तीन की मौत, एक की हालत नाजुक

एजेंसी। भागलपुर

बिहार से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। भागलपुर जिले में बच्चों के डूबने से बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के अजमेरीपुर गांव में नदी में नहाने गए चार बच्चों में से तीन की मौत हो गई, जबकि एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शनिवार को अजमेरीपुर गांव के चार बच्चे पास के रसीदपुर घाट पर नहाने के लिए गए थे। ग्रामीणों के अनुसार, नदी में पानी का बहाव काफी तेज था और घाट पर गहराई भी अधिक थी। बच्चों को अंदाजा नहीं था कि पानी का स्तर कितना बढ़ चुका है। जैसे ही वे थोड़ा आगे बढ़े, अचानक उनका पैर फिसल गया और सभी गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने जब बच्चों को डूबते देखा तो तुरंत शोर मचाया। कुछ लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश भी की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस दौरान दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीसरे बच्चे की हालत गंभीर हो गई और उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में जिन मासूमों की जान गई है, उनमें झ 13 वर्षीय रबला कुमार, पिता का नाम प्रवीण मंडल 14 वर्षीय राजा कुमार, पिता का नाम लक्ष्मी मंडल शामिल हैं। वहीं, 12 वर्षीय रामू कुमार, पुत्र गोपी मंडल की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को नाजुक बताया।

पटना में सड़क हादसे के बाद बीच सड़क पर पलटा दूध का टैंकर, लोगों में लूटने की मची होड़

एजेंसी। पटना

पटना के दशरथा मोड़ के पास दूध से भरा टैंकर सड़क हादसे में पलट गया, जिससे सात लोग घायल हो गए। सड़क पर बहते दूध को लूटने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।राजधानी पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दशरथा मोड़ के पास शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। दूध से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को आनन-फानन में नजदीकी निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। हादसे के बाद टैंकर से सड़क पर दूध की धार गंगा की तरह बहने लगी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और कोई मग तो कोई बाल्टी लेकर दूध बटोरने में जुट गया। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक दूध लूटने की होड़ में शामिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोग भी पुलिस की मदद में जुट गए। इस दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और घंटों तक पटना एनएच-30 पर यातायात बाधित रहा।

बिहार में दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक

एजेंसी। अररिया

अररिया के फारबिसगंज में शुक्रवार की देर शाम एक तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक की मौत हो गई। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक को लेकर ग्रामीण फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना जोगबनी थाना क्षेत्र के किसान चौक की है।मृतकों में 25 वर्षीय इंजार पिता मो.मुस्तकीम, 24 वर्षीय जासीम पिता मो. मुख्तार एवं 26 वर्षीय साहिल पिता मुबारक है। तीनों निवासी मधुरा वार्ड संख्या 12 थाना जोगबनी का रहने वाले थे। मृतक तीनों युवक गैरेज मिस्त्री बताया जाता है। बताया जाता है कि मृतक तीनों युवक एक हीं बाइक पर सवार होकर अपने घर मधुरा से गढ़हा चौक

स्थित गैरेज जा रहे थे। अचानक किसान चौक के समीप बाइक अनियंत्रित हो गया। जिसके कारण बाइक सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा गया। शाहिद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने इंजार एवं जासिम को इलाज के लिए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया लेकिन अस्पताल पहुंचते हीं चिकित्सक दोनों युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक जासिम का निकाह एक वर्ष पहले ही हुआ था जबकि अन्य दोनों युवक अविवाहित थे। सूचना के बाद फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा सहित पुलिस फारबिसगंज अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन युवक के मौत होने की जानकारी है।

बेगूसराय में ट्रक-ट्रैक्टर की टक्कर में दो किसानों की मौत, पांच गंभीर घायल

बेगूसराय। बिहार में सड़क हादसों के मामले में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो, जिस दिन सड़क हादसे में लोगों की जान नहीं जाती हो। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला बेगूसराय से सामने आ रहा है, जहां सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि पांच लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, बेगूसराय में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के जाफरनगर गांव के पास ठल्र-31 फोरलेन पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। घास लेकर लौट रहे किसानों से भरे एक ट्रैक्टर को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर सड़क पर ही पलट गया, जिससे दो किसानों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

खादी एक्सपीरिएंशल सेंटर, फूड कोर्ट और स्थानीय उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था

दरभंगा में 29 करोड़ की लागत से खादी मॉल सह अर्बन हाट का निर्माण शुरू

एजेंसी। दरभंगा

बिहार सरकार के उद्योग विभाग ने दरभंगा जिले के सरमोहनपुर में खादी मॉल सह अर्बन हाट के निर्माण की शुरूआत कर दी है। यह प्रोजेक्ट लगभग 29.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है और इसे डेढ़ साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।सबसे खास बात यह है कि इस खादी मॉल में खादी एक्सपीरिएंशल सेंटर भी बनाया जाएगा। इसका निर्माण, बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की करीब पांच एकड़ जमीन पर किया जा रहा है। निर्माण स्थल का हाल ही में आयडा के पदाधिकारियों ने निरीक्षण भी किया। वर्तमान में बिहार में पटना और मुजफ्फरपुर में खादी मॉल संचालित हो रहे हैं, जबकि पूर्णिया में निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में दरभंगा में बन रहा यह मॉल एक अलग पहचान बनाएगा क्योंकि यहां अर्बन हाट और खादी एक्सपीरिएंशल सेंटर दोनों का समावेश होगा। इस परियोजना के पूरा होने पर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। अनुमान है कि इस मॉल के निर्माण हो जाने से सीधे तौर पर 250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से एक हजार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। परियोजना के तहत इस परिसर में एक रूफ टॉप रेस्टोरेंट, तालाब का सौंदर्यीकरण, अर्बन हाट मेमोरियल, फूड कोर्ट और आधुनिक बिल्डिंग का निर्माण होगा। खादी मॉल में स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को अपनी दुकान लेकर उत्पाद बेचने की सुविधा मिलेगी। साथ ही, मॉल प्रबंधन भी स्थानीय उत्पादकों से खादी सामग्री खरीदकर उसकी बिक्री करेगा। खादी वस्त्रों के साथ-साथ इस मॉल में स्थानीय स्तर पर बनी कलाकृतियों, पेंटिंग और हस्तशिल्प को भी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

सुभाषितम्

जो काम पड़ने पर सहायक होता है, वही मित्र है

- दीर्घनिकाय

ट्रंप के सपनों की सौदेबाजी और हकीकत की चुनौतियां

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा से ही राजनीति और सत्ता को कारोबार और सौदेबाजी की नजर से देखते और उसी के लिहाज से फैसले लेते रहे हैं। यही वजह है कि वे आज अपने ही देश में घिरते नजर आ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी और मीडिया की आलोचना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या ट्रंप राष्ट्रीय नीति चला रहे हैं या अपने निजी कारोबारी सपनों की इमारत खड़ी करने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं। नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं से उनकी निकटता को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि इन रिश्तों के सहारे वे अमेरिका के साथ-साथ अपने निजी कारोबारी हितों को भी मजबूती दे सकते हैं। इससे हटकर यदि जमीनी सत्यता को सामने रखकर बात की जाए तो नेतन्याहू और मोदी की राजनीति अपने-अपने घरेलू संकटों से उलझी हुई नजर आती है। ऐसे में इन पर अत्याधिक भरोसा करना न केवल अमेरिका की विदेश नीति को कमजोर करने वाला फैसला साबित हो सकता है, बल्कि ट्रंप की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को भी बोझ बना सकता है। यही नहीं बल्कि गाजा में ट्रंप सिटी को दुबई की तरह बनाने का राष्ट्रपति ट्रंप का सपना भी इसी अवास्तविक सोच का हिस्सा है। दुबई का विकास मॉडल स्थिरता, निवेश और खुली नीतियों की बुनियाद पर खड़ा हुआ, जबकि गाजा आज भी संघर्ष, आतंक और अस्थिरता का प्रतीक है। जब तक शांति और भरोसे का माहौल नहीं बनेगा, तब तक वहां किसी भी विकास की कल्पना करना खोखली बयानबाजी ही साबित होगी। भारत और पाकिस्तान के मामले में भी राष्ट्रपति ट्रंप ने कारोबार का चश्मा पहन रखा है। वे मानते हैं कि पीएम मोदी के जरिए दोनों देशों में व्यापारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। लेकिन दशकों से चले आ रहे अविश्वास, कश्मीर विवाद और सीमा पार आतंकवाद ने इस संभावना को लगभग असंभव बना दिया है। भारत निवेश और विकास का केंद्र है, जबकि पाकिस्तान अभी भी राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। दोनों को एक ही तराजू पर तौलना गंभीर रणनीतिक भूल होगी। ऐसे में ट्रंप का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना और रुस से तेल खरीदी न करने के लिए दबाव बनाना कहीं न कहीं रिश्तों में खटास पैदा करने जैसा कदम ही है। यह वह दौर है जबकि वैश्विक स्तर पर किसी भी निर्णय को एकतरफा नहीं लिया जा सकता है, देश की नीतियों और उसके प्रभाव को सामने रखना ही होता है। ऐसे में अब असल चुनौती यही है कि ट्रंप हर मुद्दे को डील के रूप में देखते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति सौदों और निजी महत्वाकांक्षाओं से कहीं गहरी है। इसमें भरोसा, स्थिरता और संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। ट्रंप के सपनों की सूची लंबी है, अमेरिका में अपनों से घिरे होने की मजबूरी भी है, नेतन्याहू और मोदी पर टिका निजी कारोबार, गाजा को दुबई बनाने की कल्पना और भारत-पाकिस्तान में कारोबार का ख्वाब, यह सब कागजी दुनियां में सुंदर लग सकते हैं, पर वास्तविकता में बेहद कमजोर और विरोधाभासी हैं। दुनिया को आज ऐसे नेताओं की जरूरत है जो रिश्तों को व्यापारिक बोली में नहीं, बल्कि शांति और मानवता के आधार पर परिभाषित करें। वरना ट्रंप जैसे सपनों के सौदागर अंततः अपने ही जाल में उलझने वाले ही हैं।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे यह मानसिक तुष्टि हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है। यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए, जीवन यापन आसान होगा।यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल

उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब यह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है। साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र :जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी। साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है। साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से करीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी। साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है। साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे ह्नवन नेशन, वन टैक्सह्न कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया।

चीन के मीम, वीडियो और टिप्पणियां कहती हैं कि एससीओ में मोदी अन्य सभी नेताओं से ज्यादा छाये रहे

- सना हाशमी

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहुचर्चित चीन यात्रा अब अतीत की बात हो चुकी है। सामान्य भू-राजनीति और द्विपक्षीय संभावनाओं के विश्लेषण से आगे बढ़कर, चीन के सोशल मीडिया उपयोगकर्ता शारीरिक हावभाव, प्रतीकात्मक इशारे, छवि और स्वाभाविक रूप से मीम्स से अधिक प्रभावित दिखे। कुछ टिप्पणियों ने यात्रा के सौहार्दपूर्ण माहौल पर जोर दिया, लेकिन अधिकतर हल्की-फुल्की रहीं, एक चौंकाने वाली संख्या में कई चुटकुले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर केंद्रित थे। यदि एससीओ शिखर सम्मेलन एक कूटनीतिक मंचन था, तो मोदी निस्संदेह उसके मुख्य अभिनेता थे, यह उन्हें मिली भारी-भरकम ऑनलाइन चर्चा से स्पष्ट हुआ। एक दूर का रिश्तेदार उतना अच्छा नहीं जितना नजदीकी पड़ोसी, ऐसा कहा लियू यिंग ने, जो चोंगयांग इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल स्टडीज, रेनमिन यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता हैं। सबसे अधिक चर्चा मोदी के लिए बिछाए गए लाल कालीन पर हुई। बायदु पर एक टिप्पणी में लिखा गयाः चीन यात्रा का सबसे दिल छू लेने वाला क्षण था मोदी का भव्य स्वागत। जैसे ही वे पहुँचे, उनका जोरदार स्वागत हुआ। लाल कालीन लंबा बिछा था, सम्मान गार्ड एकदम सटीक गठन में खड़ा था, और नृत्य प्रस्तुति बेहद जीवंत थी। चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने मोदी के हर कदम को बारीकी से देखा, लेकिन असली वायरल क्षण तस्वीरों से आयाः तियानजिन में मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर

पुतिन का हाथ पकड़ना और फिर उनकी औरस सेनाट लिमोजीन में साथ सवारी करना। ये तस्वीरें वीचैट और वीबो जैसे मंचों पर छा गईं, जिससे एससीओशिखर सम्मेलन मोदी ने पुतिन का हाथ पकड़ा और मोदी पुतिन की कार में गए जैसे हैशटैग बने, जिन पर लाखों बार देखा गया। न सिर्फ वे साथ में मंच पर दाखिल हुए, बल्कि सम्मेलन कक्ष में भी लगभग अविभाज्य दिखे, एक उपयोगकर्ता ने लिखा। कई वीबो उपयोगकताओं ने सोचाः ट्रंप यह मोदी-पुतिन भाईचारा देखकर कैसा महसूस कर रहे होंगे? यहाँ तक कि ग्लोबल टाइम्स के पूर्व प्रधान संपादक हु शीज़िन ने भी टिप्पणी की कि ट्रंप इस सार्वजनिक मित्रता प्रदर्शन से खिन्न हो सकते हैं–जिससे मीम की आग और भड़क उठी। अन्य उपयोगकताओं ने संकेतों की भाषा को समझने की कोशिश की। एक वीबो पोस्ट में लिखाः मोदी ने अपनी आधिकारिक कार छोड़कर पुतिन की रूसी बख़्तरबंद औरस सेडान में सफर किया। यह केवल यात्रा नहीं थी, बल्कि निकटता और प्रतीकों का इस्तेमाल करते हुए भारत-रूस की नजदीकी दशार्ने वाला एक सोच-समझकर किया गया कूटनीतिक संकेत था। एक अन्य उपयोगकर्ता ने मजाक कियाः यह रूस-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक क्षण था, जिसने एससीओ में बहुपक्षीय सहभागिता को नई रोशनी दी। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता केवल हाथ पकड़ने के मजाक तक सीमित नहीं रहे। शारीरिक भाषा भी ऑनलाइन चर्चा का केंद्र बन गई। टिक-टॉक के चीनी संस्करण डॉयिन पर कई वीडियो में दिखाया गया कि चीन यात्रा के दौरान मोदी हमेशा मुस्कुराते हुए, जीवंत और सौहार्दपूर्ण दिखे। कई वीडियो ने उनके पुतिन के साथ हाथ पकड़ने को ट्रंप के क्लिप्स के साथ जोड़कर दिखाया, जिससे भारत-रूस के अटूट रिश्ते और ट्रंप की झुंझलाहट दोनों उजागर हुए। अन्य वीडियो में मोदी को आत्मविश्वास के साथ चलते हुए दिखाया गया और टिप्पणी में उन्हें ३ड्ढ४ बताया गया तथा कहा गया कि भारत ने ट्रंप के शुल्कों का मजबूती से उत्तर दिया है। झीहू (चीनी क्वोरा) पर एक पोस्ट में लिखा थाः जितने दोस्ताना पहले थे, अब मोदी और ट्रंप दोनों ही एक-दूसरे से नाराज हैं। बिलिबिली नामक वीडियो मंच पर एक लोकप्रिय पोस्ट में लिखा गयाः मोदी ने ट्रंप की स्पॉटलाइट छीन ली है। उनकी तियानजिन यात्रा ने उन्हें खूब स्पॉटलाइट दिलाया है। अगर ट्रंप भी आते, तो शायद उन्हें भी लोकप्रियता मिल जाती, उनकी नृत्य शैली तो उन्हें प्रशंसक दिला ही देती।

यहाँ तक कि एक अक से बनी वीडियो भी सामने आई जिसमें मोदी और ट्रंप को एक चीनी शैली के राजसी नाटक में दिखाया गया, जहाँ मोदी ने ट्रंप को हराकर विजय हासिल की। हालाँकि, सभी टिप्पणियाँ प्रशंसा भरी नहीं थीं। एक लोकप्रिय वीबो पोस्ट में लिखाः पुतिन के प्रति मोदी की उत्साही प्रतिक्रिया ने उनकी कमजोरियों को उजागर किया। एक छोटा देश छोटा ही होता है; यह आकार की नहीं बल्कि संयम की बात है। अमेरिका और पश्चिम इससे खुश होंगे, अंततः भारत उनके सामने झुक जाएगा। लेकिन ऐसी आलोचनाएँ बहुत कम थीं। इसके विपरीत एक व्यापक रूप से साझा पोस्ट ने कहाः चीन यात्रा मोदी के लिए वर्षों में सबसे सुखद यात्रा थी। चीन की ऑनलाइन टिप्पणियों का बड़ा हिस्सा यह संकेत दे रहा था कि एससीओ शिखर सम्मेलन में मोदी ने अन्य नेताओं से ज्यादा छाये रहे और भारत की भूमिका बदल रही है। असामान्य रूप से, कई तस्वीरों ने मोदी को सकारात्मक छवि में दिखाया, जहाँ वे अमेरिका का सामना करते, चीन के साथ शीघ्रता से संबंध सुधारते और रूस को आश्वस्त करते नजर आए। पिछले कुछ वर्षों में भारत की ऐसी सकारात्मक प्रस्तुतियाँ दुर्लभ रही हैं।

इसका कारण सरल हैः इस समय बड़ा प्रतिद्वंद्वी अमेरिका है। चीन का सोशल मीडिया भारत-अमेरिका मतभेद को उभारने, भारत-रूस की मित्रता का उत्सव मनाने और भारत-चीन संबंधों की स्थिरता की धारणा को स्वीकारने के लिए उत्सुक प्रतीत होती है।

आम आदमी : मोदी सरकार और जीएसटी सुधार

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कर सुधार किसी भी राष्ट्र की आर्थिक दिशा और विकास की गति तय करते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में कर ढांचा हमेशा से बहस और सुधार का विषय रहा है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद भी यह शिकायत लगातार बनी रही कि कर संरचना जटिल है और आम आदमी से लेकर छोटे कारोबारियों तक सबके लिए यह बोझिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रबंधन में अब यह तस्वीर बदल रही है। हाल ही में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों से जीएसटी को सरल, पारदर्शी और आमजनहितकारी स्वरूप दिया गया है, जिसने करोड़ों भारतीयों को राहत की नई उम्मीद दी है। मोदी सरकार ने चार स्लैब की जटिलता खत्म कर केवल दो दरों झ 5% और 18% को लागू किया है। रोजमर्रा की वस्तुएं, स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा टैक्स से मुक्त कर दी गई हैं। वहीं तंबाकू और लग्जरी वस्तुओं पर 40% कर लगाया गया है। यह कदम बताता है कि सरकार की प्राथमिकता गरीब और मध्यम वर्ग की जेब पर बोझ घटाना है, जबकि अपव्ययकारी उपभोग और अस्वस्थ आदतों को हतोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यह वादा किया था कि देशवासियों को दिवाली से पहले ह्लनेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्सह्व का तोहफा मिलेगा। आज यह वादा हकीकत बन चुका है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे किसान, मध्यम वर्ग, महिला, युवा और छोटे व्यवसाय सभी को लाभ होगा। नए बदलाव का सबसे बड़ा असर आम परिवारों की जेब में महसूस होगा। अब दूध, रोटी, पिज्जाव ब्रेड, पराठा, छेना जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं पर कोई कर नहीं लगेगा। जीवन रक्षक दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं को भी टैक्स से मुक्त किया गया है। इससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य खर्च के बोझ से बड़ी राहत मिलेगी। बीमा सेवाओं को जीएसटी से मुक्त करने का असर व्यापक होगा। पहले स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर 18% जीएसटी लागू होता था, जिससे प्रीमियम महंगा हो जाता था। अब यह हट जाने से बीमा हर वर्ग की पहुंच में आएगा और स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा व्यापक होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी, चाहे वह टर्म लाइफ हो, यूलिप हो या एंडोमेंट पॉलिसी, और सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। कहना होगा कि यह कदम प्रधानमंत्री मोदी की उस दृष्टि को पुष्ट करता है, जिसमें हर भारतीय परिवार को आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा देने का संकल्प शामिल है। जहां आम आदमी को राहत दी गई है, वहीं सरकार ने तंबाकू, पान मसाला, बड़ी कारें, यॉट और हैवी मोटरसाइकिलों पर 40% कर लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है। यह केवल राजस्व संग्रह बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी भी है कि विलासिता और अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कर बोझ बढ़ेगा। यह दृष्टिकोण मोदी सरकार की उस नीति को रेखांकित करता है जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतें सर्वोपरि हैं। अमीर वर्ग को राहत देने की बजाय सामाजिक संतुलन और आर्थिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करना ही सरकार का मूल संदेश है।

आज का राशिफल

मेष आपको सतर्क रहना होगा और किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाकर रखें।

तुला आज व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृषभ आज कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा व्यस्त रहना पड़ सकता है।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे।

मिथुन आज आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

धनु कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे।

कर्क आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिसके चलते दिन उत्तम रहने वाला है।

मकर मामलों में अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं जो आपको न चाहते हुए भी करने होंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा।

कुंभ आपका ज्यादा समय बुद्धि और विवेक के साथ नई-नई खोज करने में व्यतीत हो सकता है।

कन्या सावधान रहने की जरूरत है इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन आज सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, जिससे आपको मनोबल में भी वृद्धि होगी।

विशेष

जीएसटी कट और बिहार चुनाव

जीएसटी स्लैब पर किए गए फेरबदल को लेकर अब सवाल खड़े किए जा रहे हैं और पूछा जा रहा है कि यह जीएसटी कट क्या बिहार चुनाव में बीजेपी का मैनिफेस्टो है? इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि यह बिहार ही नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का मैनिफिस्टो है। केंद्र की मोदी सरकार ने जीएसटी स्लैब में बदलाव का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया है। वित्त मंत्री का कहना है, कि जीएसटी का इतना बड़ा परिवर्तन किया गया है, इसके साथ ही हर चीज में रेट का बदलाव करने के लिए इंडस्ट्री और ट्रेडर्स से बात की जा रही है, कि वो रेट कट का लाभ सच में जनता तक पहुंचाएं। दरअसल सवाल उठाए जा रहे हैं कि टैक्स कम होने के बावजूद कंपनियां रेट कम कर इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंचाते हैं।

डिनर पार्टी में मस्क नहीं आए नजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलेनिया ने व्हाइट हाउस में टेक इंडस्ट्री के दिग्गजों को एक खास डिनर पार्टी दी। ट्रंप ने इस पार्टी को हाई आईक्यू लोगों का जमावड़ा बताया, लेकिन सवाल तब खड़ा हो गया जबकि एलन मस्क पार्टी में कहीं नजर नहीं आए। यह अलग बात है कि इस दावत में खाने के साथ ही साथ पॉलिटिक्स, इकोनॉमी, निवेश और नौकरियों पर भी चर्चा की गई। सबसे खास बात यह रही कि डिनर के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप खुद ही टेक कंपनियों के मालिकों और सीईओ से पूछ रहे थे कि वे अमेरिका में कितना निवेश कर रहे हैं। मेटा के मार्क जुकरबर्ग ने तो बता भी दिया कि वे अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर निवेश करने जा रहे हैं, पर सवाल यही है कि मस्क क्या कर रहे?

कार्टून कोना

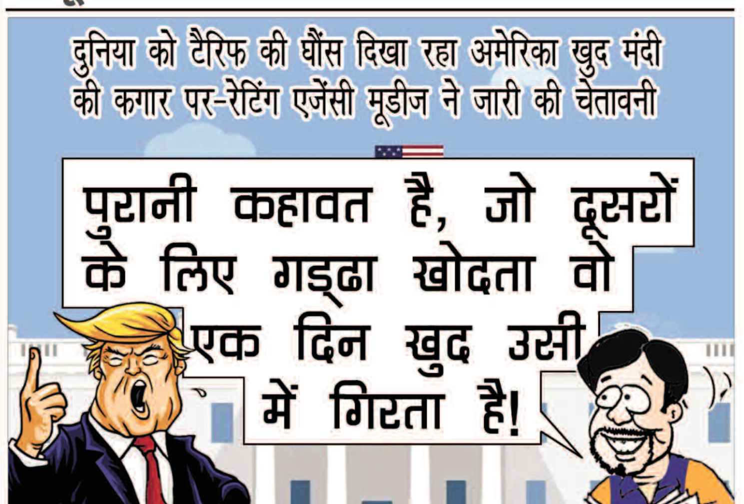

आज का इतिहास

1657: शाहजहां बीमार पड़ा. 1565: स्पेनी फौजों के सिसली पहुंचने पर तुर्की को मल्टा की नाकेबंदी समाप्त करनी पड़ी. 1672: आरेंज के विलियम ने नार्डेन हालैंड पर कब्जा किया. 1688: रोम ने तुर्की के सैनिकों से बेलग्राद छीन लिया. 1751: ब्रेमेर स्काटलैंड में विद्रोह भड़का . 1813: मार्शल नेय के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को डेनेविज जर्मनी में प्रसियाई सैनिकों से हार माननी पड़ी. 1955: इस्ताम्बूल और इजामिर में यूनान विरोधी दंग भड़के. 1966: दक्षिण अफ्रीका के प्रधानमंत्री हेंड्रिक वरवुर्ड की छुरा मारकर हत्या कर दी गई. 1975: पूर्वी तुर्की में भूकंप से ढ़ाई हजार से अधिक लोग मारे गए. 1989: क्यूबा का विमान हवाना से उड़ान भरते ही दुर्घटना का शिकार हो गया जिसमें सभी 170 यात्री मारे गए. 1991: सोवियत संघ ने लिथुआनिया लाटविया और एस्टोनिया की स्वतंत्रता को मान्यता दी.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.33 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.44 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.59 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.20 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.06 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.39 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.10 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.50 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.48 बजे से
9.00 से 10.30		कर्क	02.01 बजे से
बजे तक		सिंह	04.17 बजे से

2025 वर्ष का 249 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 01.42 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 22.56 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 11.52 बजे को समाप्त। **करण** गर 14.32 बजे तदनन्तर वणिज 01.42 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872459
जूलियन दिन 2460924.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 13
विशेष अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एमजीएम हॉस्पिटल के ओपीडी में उमड़ी भीड़

जमशेदपुर, एजेंसी। 2 दिन से छुट्टियों के माहौल के बाद शनिवार को अस्पताल में मरीजों की काफी भीड़ एकत्र हुई। स्थानीय सहित दूर-दूर से मरीज सुबह से ही अस्पताल पहुंचे। इसमें सबसे अधिक मरीज मेडिसिन और चर्म रोग विभाग में पहुंचे। उम्मीद है सोमवार को भी मरीज की संख्या काफी अधिक होगी।

प्रकाश पुंज स्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन

गिरिडीह, एजेंसी। प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया। शिक्षाविद् महान विभूति भारत रत्न भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। बच्चों ने गीत संगीत की प्रस्तुति दी। प्रिंसिपल श्यामसुंदर प्रसाद वर्मा ने कहा कि शिक्षक हमारे राष्ट्र निर्माता है। उनके निष्ठापूर्ण कर्तव्यों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। आप सभी बच्चे कल के भारत निर्माता हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में लीलावती वर्मा, मेनका महतो, उमा भारती, ज्योति सिन्हा, लवली सिन्हा, बसंत आनंद, अंजली कुमारी, विनोद राय, अरुण शर्मा, जयंत कुमार, सौम्या, सुरभि सहित कई अन्य की सराहनीय भूमिका रही।

निर्माणाधीन अस्पताल का मंडल अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

बड़की सरिया, एजेंसी। सरिया प्रखंड के पूर्णिडीह पंचायत में करीब 6 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का कार्य इन दिनों चर्चा में है। स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए अस्पताल भवन के निर्माण को असंतोषजनक बताया। इस संदर्भ में शुक्रवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन पांडेय ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद निर्माण एजेंसी को स्पष्ट शब्दों में कहा कि भवन निर्माण कार्य एस्टीमेट और मानक के अनुरूप किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कार्य में लापरवाही बरती गई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदक निर्भय सिंह ने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है और यह अस्पताल भवन भविष्य में इलाके के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य सुविधा साबित होगा। भवन निर्माण विभाग के जूनियर इंजीनियर विकास कुमार ने भी संवेदक को निर्देश दिया कि किसी भी हालत में निर्माण कार्य में समझौता नहीं होना चाहिए।

रेलकर्मियों को बोनस में मिलेगा 17 हजार 980 रुपये

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे दुर्गापूजा से पूर्व कर्मचारियों को सीलिंग के आधार पर बोनस देता है, जो अभी 17 हजार 980 रुपये है। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे और ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन लगातार ग्रेड पे और उत्पादकता के आधार पर बोनस देने की मांग बोर्ड में उठाते रहे, लेकिन रेल मंत्रालय ने 2025 में भी कर्मचारियों की बोनस राशि बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया। इससे 5 वर्ष पुराने स्लैब दर से ही रेल कर्मचारियों को बोनस मिलने की उम्मीद है। जानकार बताते हैं कि, रेल कर्मचारियों के बोनस राशि में वृद्धि का प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा ही नहीं गया है। हालांकि दोनों फेडरेशन बोनस के स्लैब में बदलाव नहीं होने पर लगातार आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। बोनस राशि बढ़ाने का पत्र एक बार फिर से रेलवे बोर्ड में दिया गया।

स्टेशन के दो स्टॉल बंद होने से बढी यात्रियों की परेशानी

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर स्टेशन स्थित एक नंबर प्लेटफार्म के बाद चार-पांच स्थित मल्टीपरपज स्टॉल भी बंद हो गया। इससे ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई क्योंकि मल्टीपरपज स्टॉल से यात्रियों को सिर्फ खानपान सामग्री या बोतलबंद पानी नहीं बल्कि दैनिक जरूरत का कई सामान भी मिलता था। बताया जाता है कि रेलवे ने मल्टीपरपज स्टॉल को लाइसेंस की अवधि खत्म होने के कारण बंद कराया है। लेकिन यात्री सुविधा में जल्द नई एजेंसी को मल्टीपरपज स्टॉल संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी। वहीं, टाटानगर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर बंद दो स्टॉल और रेस्टोरेंट को भी खोलने की प्रक्रिया दक्षिण पूर्व रेलवे जोन और आईआरसीटीसी में शुरू है।

विरोध... 3000 शिक्षकों की वेतन वृद्धि पर रोक, डीएसई के आदेश की प्रतियां जलाईं

रांची, एजेंसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर, जहां एक ओर देश भर में शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर राजधानी रांची में प्रारंभिक शिक्षकों को अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, रांची के बैनर तले शिक्षकों ने कचहरी स्थित शिक्षा परिसर में जमा होकर जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज के उस आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी से शपथ पत्र जमा करने को कहा गया है। इस दौरान शिक्षकों ने डीएसई के आदेश की प्रतियां जलाकर अपना विरोध प्रकट किया। इस क्रम में शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी की। अफसरशाही-तानाशाही नहीं चलेगी, शिक्षकों का अपमान बंद करें और शिक्षक एकता जिंदाबाद आदि नारे लगा रहे थे। मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि लगभग 3000 शिक्षकों की जुलाई से ही वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी गई है, क्योंकि उन्हें हिंदी टिप्पण और प्रारूपण परीक्षा पास करने का हवाला दिया गया। जबकि शिक्षक पहले से ही इस परीक्षा से मुक्त हैं।

प्रदेश में एससी छात्रों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग देगी सरकार

अब मंत्री के पास भेजा जाएगा कोचिंग का प्रस्ताव

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार राज्य के अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग फ्री कराएगी। कल्याण विभाग इसका प्रस्ताव तैयार कर रहा है। शुरुआत में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं के लिए कोचिंग होगी। इसके बाद मेडिकल-इंजीनियरिंग की भी तैयारी कराई जाएगी।

विभागीय मंत्री की स्वीकृति के बाद इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग की अनुमति ली जाएगी। फिर इसे कैबिनेट में भेजा जाएगा। पहले इस योजना में अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्र ही शामिल थे। ऐसे में एससी छात्रों को भी यह सुविधा देने का सरकार पर दबाव था। हालांकि पिछड़ी जाति और अत्यंत पिछड़ी जातियां अभी भी इस योजना से बाहर हैं।

अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्रों को कोचिंग देने के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इनके लिए स्थल चयन भी हो चुका है। संभावना है कि एससी छात्रों के लिए कोचिंग की अलग से व्यवस्था होगी। इसके लिए राजधानी रांची में सरकारी या भाड़े का मकान लिया जा सकता है।

राज्य में एससी की संख्या करीब 10 फीसदी : एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग को झामुमो-कांग्रेस-राजद का हिमायती माना जाता है। ऐसे में सबसे पहले एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को निःशुल्क कोचिंग की योजना में शामिल किया गया। राज्य में एससी की आबादी करीब 10 फीसदी होने की संभावना है। ऐसे में सरकार के रणनीतिकारों और एससी कोटे के विधायकों ने इस योजना में एससी को भी शामिल करने पर बल दिया। उनका तर्क था कि एससी के शामिल नहीं करने की स्थिति में सरकार पर भेदभाव का आरोप लग सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार में एससी कोटे के विधायकों की संख्या पहले से अधिक है।

एससी बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग का प्रस्ताव : केएन झा : कल्याण सचिव केएन झा ने कहा कि एससी बच्चों के लिए भी विभाग सजग है। इन बच्चों के लिए भी निःशुल्क कोचिंग का प्रस्ताव बन रहा है। राज्य सरकार वंचित वर्ग के गरीब छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए संवेदनशील है। एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की निःशुल्क कोचिंग शीघ्र ही आरंभ करने की योजना है।

फ्री कोचिंग... ताकि आर्थिक स्थिति बाधा न बने : जेपीएससी और जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में गरीब एससी के प्रतिभावान बच्चों के सामने आर्थिक संकट बाधा न बने। मुफ्त कोचिंग के साथ-साथ रहने और भोजन की भी व्यवस्था होगी। कोचिंग स्थल पर लाइब्रेरी बनेगी, जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें रहेंगी। कोचिंग के दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि बच्चे निजी क्षेत्र की नौकरियों में भी सफल हो सकें। एससी वर्ग के छात्र सशक्त बने और मानसिक रूप से अच्छी नौकरियों के लिए तैयार हो सकें।

पूरे देश के प्रारंभिक शिक्षक हो रहे एकजुट, टेट अनिवार्यता मामले में रिव्यू पिटीशन दाखिल करने का धर्मेंद्र प्रधान से किया अनुरोध

रांची, एजेंसी। दो वर्ष के भीतर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर पूरे देश के प्रारंभिक शिक्षक एकजुट हो रहे हैं। इनमें वैसे शिक्षक हैं जो टेट उत्तीर्ण नहीं हैं तथा जिनकी नियुक्ति निश्शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त हैं तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से प्रभावित हो रहे हैं।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इसे लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ज्ञापन भेजकर सरकार की ओर से शीर्ष न्यायालय में रिव्यू पिटीशन दाखिल करने का अनुरोध किया है।संघ ने शिक्षकों की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री से अपील की है कि वे सर्वोच्च न्यायालय से समाज और शिक्षक समुदाय के व्यापक हित में इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करें।

इससे शिक्षकों को राहत मिलेगी। यह भी बताया है कि देश के लगभग 98 लाख स्कूली शिक्षक इस फैसले से प्रभावित होंगे। दूसरी तरफ, सभी राज्य शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं।

यह आदेश लागू होने का असर बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर पड़ेगा। इधर, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश के विरुद्ध रिव्यू पिटीशन दायर करने का निर्णय लिया है।

संघ इसे लेकर विभिन्न राज्यों के शिक्षक संघों से भी संपर्क साध रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में उन सभी प्रारंभिक शिक्षकों के लिए दो वर्ष के भीतर टेट उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया है, जिनकी सेवा पांच वर्ष से अधिक बची है।

आदेश के अनुसार, इस अवधि में टेट उत्तीर्ण नहीं होने पर या तो उन्हें सेवा छोड़नी होगी या सरकार अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर सकेगी। टेट उत्तीर्ण हुए बिना शिक्षकों को प्रोन्नति भी नहीं मिलेगी।

विस्थापन का दर्द दूर करेगा पुनर्वास आयोग

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने राज्य में विस्थापन और पुनर्वास आयोग के गठन को मंजूरी दी है। यह ऐतिहासिक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण कदम है। झारखंड खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापन की त्रासदी से जूझता रहा है।

खनन, बांध निर्माण, औद्योगिक परियोजनाएं और अन्य बड़ी योजनाओं ने स्थानीय समुदायों विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण आबादी को उनकी जमीन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान से वंचित किया है। झामुमो ने इस मुद्दे को अपनी स्थापना के बाद से ही प्रमुखता से उठाया है।

इस आयोग का गठन झामुमो के लिए एक वैचारिक जीत है, जो न केवल उनके आधार को मजबूत करता है, बल्कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। आयोग की संरचना समावेशी और व्यवस्थित ढांचे पर आधारित होगी।

आयोग में एक अध्यक्ष, दो सदस्य और तीन आमंत्रित सदस्य होंगे, जिनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। अध्यक्ष के लिए सामुदायिक विकास या विस्थापन और पुनर्वास के क्षेत्र में कम से कम दस वर्ष का अनुभव अनिवार्य है। यह सुनिश्चित करता है कि आयोग का नेतृत्व अनुभवी और क्षेत्रीय समस्याओं से परिचित व्यक्ति के पास हो।

इसके अतिरिक्त, संयुक्त सचिव स्तर से ऊपर के प्रशासनिक अनुभव वाले अधिकारी और सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश या 40 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ता को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। आयोग का कार्य विस्थापित परिवारों का सामाजिक-आर्थिक अध्ययन कराना और इसके आधार पर पुनर्वास योजनाएं तैयार करना है। यह अध्ययन न केवल विस्थापितों की स्थिति को समझने में मदद करेगा, बल्कि उनकी जरूरतों के अनुरूप नीतियां बनाने में भी सहायक होगा।

झारखंड में विस्थापन का मुद्दा मुख्य रूप से आदिवासी और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों से जुड़ा है। ये समुदाय अपनी जमीन और आजीविका खोने के बाद अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। आयोग का गठन इन समुदायों को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

यह विशेष रूप से उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, जो बड़ी परियोजनाओं जैसे बांधों और खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित हुए, लेकिन उन्हें उचित मुआवजा या पुनर्वास का लाभ नहीं मिला।

झामुमो के लिए यह आयोग न केवल एक नीतिगत उपलब्धि है, बल्कि एक राजनीतिक रणनीति भी है। विस्थापन का मुद्दा झारखंड में एक संवेदनशील और भावनात्मक विषय रहा है। इस आयोग के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार न केवल अपने वादों को पूरा कर रही है, बल्कि अपने पारंपरिक समर्थक आधार, विशेष रूप से आदिवासी समुदायों को और मजबूत कर रही है। यह निर्णय झामुमो को आगामी चुनावों में एक मजबूत नैरेटिव प्रदान करेगा। झारखंड जैसे संसाधनों से समृद्ध राज्य में विकास परियोजनाएं अपरिहार्य हैं। हालांकि, इन परियोजनाओं के कारण विस्थापन और सामाजिक असंतुलन की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आयोग का गठन विकास और सामाजिक समावेश के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास है। यह सुनिश्चित करेगा कि विकास के लाभ हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक भी पहुंचें। आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसके उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा।सामाजिक-आर्थिक अध्ययन और पुनर्वास योजनाओं को लागू करने में समय, संसाधन और समन्वय की आवश्यकता होगी।

गड्ढे में उतरकर असंतुलित हुई बाइक, ट्रक की चपेट में आने से पिता की मौत, पुत्री जख्मी, गुस्साए लोगों ने किया बिरसा चौक जाम

चाकुलिया (पूर्वी सिंहभूम), एजेंसी। शहर के बिरसा चौक पर भीड़ भाड़ के बीच सड़क के गड्ढे में उतरने से असंतुलित होकर एक बाइक सवार ट्रक की चपेट में आ गया।

इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। प्रखंड के खजुरिया गांव निवासी सालखन मुर्मू (45 वर्ष) अपनी पुत्री को स्कूल से घर ले जाने आए थे। इसी क्रम में ट्रक की चपेट में आ गए।

घटना के दौरान उनकी पुत्री उपल मुर्मू भी बाइक पर पीछे बैठी हुई थी। सड़क के गड्ढे में जैसे ही बाइक असंतुलित हुई तो पिता दाहिने तरफ और पुत्री बाईं तरफ गिर पड़े। पुत्री को चोट आई है।

उसी समय एक 12 चक्का ट्रक मौके से गुजर रहा था जिससे सालखन मुर्मू का सिर टकरा गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटनास्थल पर जुटे झामुमो कार्यकर्ता अब्दुल रशीद समेत अन्य लोगों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर सालखन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

लेकिन वहां चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना के समय तेज बारिश होने की वजह से भीड़ छंट गई थी। मगर बारिश रुकने के बाद मृतक के स्वजनों एवं झामुमो नेताओं ने बिरसा चौक को चारों तरफ से बांस से घेर कर जाम कर दिया।

स्मार्ट और इलेक्ट्रिक मीटर लगा विभाग करेगा जांच,

धनबाद, एजेंसी। झरिया बिजली कटौती से परेशान है और धनबाद अनियमित बिजली आपूर्ति से। इसके अलावा जिले भर में भी बिजली की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। वहीं, झारखंड बिजली वितरण निगम ने एक बार फिर धनबाद और झरिया के लोगों को आने वाले दिनों में बिजली व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया है।

गुरुवार को झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन के साथ जेबीवीएनएल और डीवीसी की त्रिपक्षीय बैठक मिश्रित भवन स्थित महाप्रबंधक के कार्यालय में हुई। इस बैठक में जेबीवीएनएल और डीवीसी के अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुना और उसके समाधान का भरोसा दिया।

झरिया से आए उपेंद्र गुप्ता, श्रीकांत अंबष्ट एवं शिवचरण शर्मा ने बताया कि यहां बीते 20 घंटे से बिजली कटौती हो रही है। झरिया एवं आस पास के क्षेत्रों में भयावह स्थिति बन गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इसे लेकर लोड शेडिंग एवं मेंटेनेंस का निर्धारण संयुक्त रूप से किया जायेगा। झरिया में नए ट्रांसफार्मर, नया सब स्टेशन कतरास मोड एवं भागा में

बनाने पर विभाग ने सहमति दे चुका है।

जीटा महासचिव राजीव शर्मा ने सिंदरी के 11 केवी को कन्वर्ट कर जल्द कनेक्शन देने की बात कही। साथ ही बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से अधिक बिल आने की समस्या हो रही है। अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि एचटी लाइन को सिंदरी से जोड़ने का कार्य पूरा हो चुका है। इसमें अब एलटी वायर जोड़कर कनेक्शन दिया जायेगा। जिससे लो वोल्टेज, लोड शेडिंग की समस्या में कमी आएगी। अधिक बिल की शिकायत पर कहा कि विभाग स्मार्ट मीटर के साथ इलेक्ट्रानिक मीटर लगाकर इसकी जांच कर सकती है। वहीं राजेश गुप्ता ने बिजली बिल नहीं मिलने का मुद्दा रखा।

पार्क मार्केट के संजीव चौरसिया ने हीरापुर और आस पास के क्षेत्रों की बिजली कटौती का मुद्दा रखा। इस पर बताया गया कि धैया और तेलीपाड़ा फीडर को जोड़ने का कार्य हो चुका है। इसका ट्रायल चल रहा है। जल्द ही स्थिति में सुधार दिखेगा। इसके अलावा चिरकुंडा और गोविंदपुर की भी समस्याओं को रखा गया।

बैठक में महाप्रबंधक एके सिन्हा, डीवीसी के उप महाप्रबंधक एसके हैंडाल, बिजली विभाग के झरिया, निरसा के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ काफी संख्या में जिले भर के लोग मौजूद थे।

जालसाजों के लिए संगठन में जगह नहीं : प्रदेश अध्यक्ष

गिरिडीह , एजेंसी। राधास्वामी संगठन के नाम पर शमीम अख्तर ने जिले के 36 व्यक्ति से 40 प्रतिशत डिस्कांउट पर बाइक, स्कूटी दिलाने की नाम पर 22 लाख से अधिक राशि ठगने के आरोप में पचंबा पुलिस शमीम अख्तर को गिरफ्तार कर 3 सितंबर को जेल भेज दिया गया। इस संबंध में राधास्वामी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा, जिलाध्यक्ष अनिशा सिन्हा और झारखंड निगरानी पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार उर्फ सुबोध कुमार ने संयुक्त रूप से पचंबा थाना क्षेत्र के बनखंजो स्थिति राधास्वामी संगठन कार्यालय में गुरुवार आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि शमीम अख्तर राधास्वामी संगठन में बेंगाबाद प्रखंड का प्रभारी के रूप में कार्यरत था। लेकिन शमीम अख्तर कुछ दिनों से ठगी का काम करने लगा। लिहाजा दो माह पहले उसे संगठन से निष्कासित कर दिया गया था। बतायाा कि संगठन जिले के महिला-पुरुषों को रोजगार सृजन के लिए 40 प्रतिशत डिस्कांउट पर बाइक, स्कूटी, दो पहिया वाहन देता है।

केबीसी की हॉट सीट पर पहुंची कुमारधुबी की बेटी पूजा

धनबाद, एजेंसी। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में गुरुवार को बिग बी अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर कुमारधुबी की बेटी कुमारी पूजा बैठीं। वह फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड में सबसे तेज जवाब देकर हॉट सीट तक पहुंचीं। उन्होंने खुद को एक होममेकर बताया, जो क्लास 1 से 8 तक के बच्चों को घर पर सभी विषय पढ़ाती हैं। पूजा की ससुराल बिहार में है, लेकिन वह ओडिशा के बलांगीर में अपने पति संग रहती हैं। उनके पति नौकरी करते हैं। पूजा ने बिग बी को बताया कि उन्होंने जियोग्राफी में एमए किया है और नेट पास हैं। उनका आगे पीएचडी करने का सपना है। पूजा ने बताया कि आर्थिक दिक्कतों के कारण वह पीएचडी का रजिस्ट्रेशन नहीं करा पायीं। तब तक एक विद्यालय में उनका चयन हो गया था। खेल के दौरान पूजा ने अपने जीवन की संघर्षपूर्ण कहानी भी साझा की।

पूजा ने बताया कि उनके पिता नशे के आदी थे, लेकिन उनकी मां ने विरोध के बावजूद उन्हें स्कूल भेजा। पूजा ने दसवीं में स्कूल टॉप किया, जिससे आसपास की सोच बदली। आगे पढ़ाई जारी रखने के लिए उन्होंने शिक्षक की मदद ली और परिवार चलाने के लिए स्कूल में पढ़ाना शुरू किया। इसी बीच पढ़ाई अधूरी रह गयी, पर अब उनका सपना पीएचडी पूरा करना है।

रांची में जाम को लेकर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, कोर्ट ने लिया स्वतःसंज्ञान

रांची, एजेंसी। रांची के पुरुलिया रोड को जाम मुक्त करने और इस रोड पर ऑटो रिक्शा की पार्किंग न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश हाईकोर्ट ने दिया है। स्वतःसंज्ञान लिए मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने यह निर्देश दिया है।

कोर्ट ने सिविल सर्जन को सदर अस्पताल परिसर के अंदर वाहनों की उचित पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए अस्पताल परिसर के अंदर की पार्किंग के लिए उन्हें जिम्मेवार भी ठहराया है। सदर अस्पताल के गेट के पास जाम से एक गर्भवती महिला के अस्पताल ले जाने में हुई परेशानी के मामले पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया था। कोर्ट ने ट्रैफिक एसपी और सिविल सर्जन को एंबुलेंस और गंभीर रोगियों को ले जाने वाले वाहनों के सुगम प्रवेश सुनिश्चित करने के तत्काल कदम उठाने का भी निर्देश दिया है।

आठ अगस्त को प्रसव पीड़ा में उस महिला को शहर के बाहरी इलाके बजरा से एंबुलेंस में लाया गया था। सर्जना चौक से सदर अस्पताल के मुख्य द्वार तक मेन

रोड पर जाम के चलते एंबुलेंस को काफी देर तक जाम में खड़ा रहना पड़ा था। अस्पताल के अंदर भी वाहन अव्यवस्थित तरीके से खड़े थे, जिससे एंबुलेंस इमरजेंसी तक नहीं पहुंच सकी थी।

एंबुलेंस चालक ने गेट पर वाहन रोककर व्हीलचेयर लाने के लिए दौड़ लगाई। इस दौरान मरीज ने सहिया और अपने पति के साथ धीरे-धीरे चलकर आपातकालीन विभाग में प्रवेश किया। बाद में उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस और सदर अस्पताल को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अपने-अपने हलफनामों में पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने एक-दूसरे को दोषी ठहराने का प्रयास किया और अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया। अदालत ने माना कि राज्य, भारत के संविधान के गारंटीकृत अपने निवासियों के जीवन और स्वतंत्रता के लिए जिम्मेदार है। जीवन के अधिकार में चिकित्सा सहायता और सुविधा का अधिकार भी शामिल है, जिसे राज्य अपने नागरिकों को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जॉब इंटरव्यू से पहले ये होमवर्क करना न भूलें

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का मौका देती है ये स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती है।

बोस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वतः ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंट्स की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविध गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

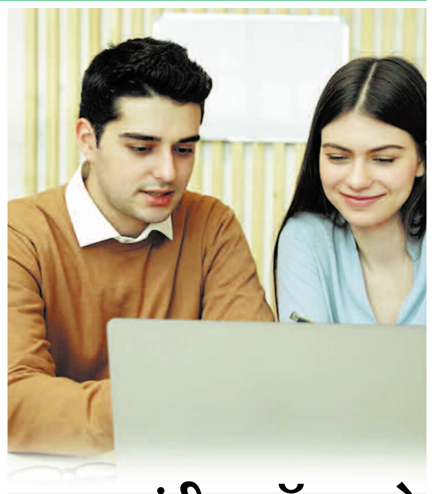

पसंदीदा जॉब पाने के लिए बनाएं दमदार रिज्यूमे, सिलेक्शन होगा पक्का

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

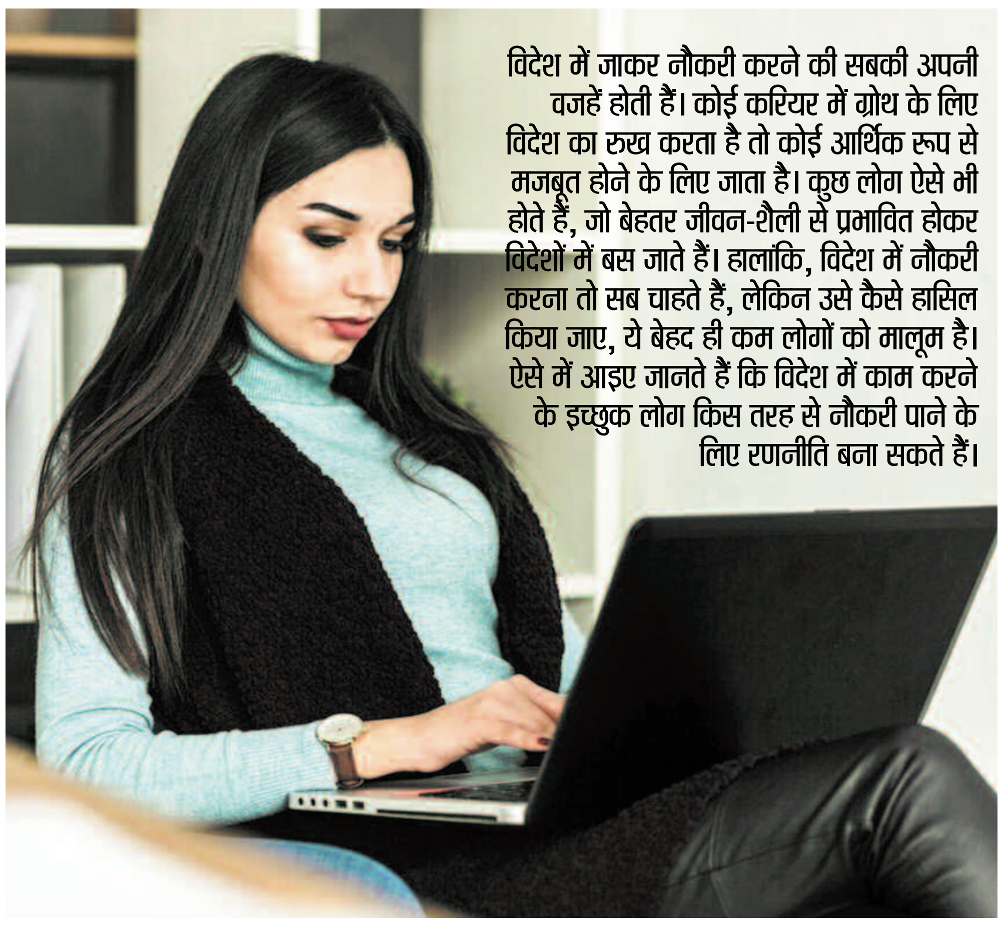

विदेश में करनी है नौकरी, पाना चाहते हैं मोटी सैलरी? बस करने होंगे ये जरूरी काम

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव- जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

कहां अप्लाई करें

प्रोफेशनल्स वर्कर्स को लिंक्डइन, मॉन्स्टर डॉट कॉट जैसे प्लेटफॉर्म पर वैकेंसी की डिटेल्स मिल जाती हैं। यहां से नौकरियों के लिए अप्लाई किया जा सकता है। हालांकि, सेमी-प्रोफेनल्स वर्कर्स हायरिंग एजेंसियों की मदद ले सकते हैं।

राफेल बनाने वाली कंपनी के पास होगा जेवी में 51 प्रतिशत हिस्सा, रिलायंस की सब्सिडियरी बेच रही शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने शुक्रवार को दी जानकारी में बताया कि रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड , डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड के ज्वाइंट वेंचर में अपनी 2 प्रतिशत हिस्सेदारी को डसॉल्ट एविएशन को ट्रांसफर करेगी। रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी है। बता दें, इस ट्रांजैक्शन के पूरा होने के बाद यह रिलायंस इंफ्रा की सब्सिडियरी नहीं बल्कि सहायक कंपनी हो जाएगी। डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड डसॉल्ट राफेल और फाल्कन एयरक्राफ्ट के लिए एयरफ्रेम और सबसिस्टम्स बनाती है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि इस हिस्सेदारी की बिक्री वैल्यू 175.96 करोड़ रुपये है। यह इक्विटी ट्रांसफल 1 नवंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। इस डील के पूरा होने के बाद डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड में फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो जाएगी। इस शुक्रवार को रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बीएसई में 0.59 प्रतिशत की गिरावट के बाद 285.75 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 30 प्रतिशत की तेजी देखने मिली है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 36 प्रतिशत बढ़ा है। रिलायंस इंफ्रा का 52 वीक हाई 425 रुपये और 52 वीक लो लेवल 198.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 11676 करोड़ रुपये का है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने बताया था कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उनके प्रमोटर अनिल अंबानी के अकाउंट्स को फ्रॉड घोषित करने के मामले का असर कंपनी के ना तो वित्तीय स्थिति और ना ही ऑपरेशन्स पर पड़ेगा। इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी के अकाउंट्स को फ्रॉड घोषित कर दिया था।

एप्पल ने तोड़ा अब तक का रिकॉर्ड, भारत में 75,000 करोड़ की बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। एप्पल ने भारत में अपनी एनुअल सेल का एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। कंपनी का रेवन्यू पिछले फाइनेंशियल इयर में करीब 9 अरब डॉलर (करीब 75,000 करोड़ रुपये) तक पहुंच गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 13 प्रतिशत की बढ़त है। इसका बड़ा क्रेडिट आईफोन की जबरदस्त डिमांड में आई बढ़त को जाता है। पिछले कुछ साल से एप्पल लगातार भारत में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर काम कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु और पुणे में नए रिटेल स्टोर्स खोले हैं। आने वाले महीनों में मुंबई और नोएडा में भी नए स्टोर्स खोलने की तैयारी है। इन स्टोर्स की मदद से एप्पल ने सीधे ग्राहकों तक अपनी पहुंच और ब्रैंड वैल्यू को और मजबूत किया है। भारत अब एप्पल की ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग स्ट्रैटेजी का अहम हिस्सा बन चुका है। फिलहाल हर पांचवां आईफोन भारत में तैयार हो रहा है। कंपनी ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन जैसे पार्टनर्स के साथ मिलकर उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ाया है। आने वाले समय में एप्पल भारत में और निवेश करने की योजना बना रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और सप्लाई चेन को भी मजबूती मिलेगी। हालांकि, भारत में एप्पल के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। देश में आईफोन की कीमतें अभी भी अमेरिका की तुलना में अधिक हैं। उदाहरण के लिए, आईफोन 16 भारत में लगभग 79,900 रुपये से शुरू होता है।

कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी परिवारों ने टाली खरीदारी

सीजन में बढ़ने की उम्मीद

- अच्छे समय में टली टीवी एसी और फ्रिज की खरीद
- अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने के बाद पैदा आर्थिक अनिश्चितता के कारण शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में अगस्त, 2025 में गिरावट आई है। इसका असर यह हुआ कि कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी इलाकों में रहने वाले परिवारों ने पिछले महीने खरीदारी टाल दी।

अब जीएसटी 2.0 के 22 सितंबर, 2025 से लागू होने के बाद दैनिक इस्तेमाल के उत्पादों की कीमतों में कमी आने से त्योहारी सीजन में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। इससे सितंबर और उसके बाद के महीनों में शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में सुधार की उम्मीद है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरी परिवारों की भावनाएं प्रभावित होने के कारण उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक (आईसीई) अगस्त में 1.8 फीसदी घट गया। इसके साथ ही, पिछले दो महीनों (जून-जुलाई) की बनी बढ़त भी गायब हो गई। जून और जुलाई में उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक 4 फीसदी बढ़ा था।

उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक अगले साल होने वाली कमाई को लेकर परिवारों की अपेक्षाओं को दर्शाता है। यह भी बताता है कि वे अगले साल और आगामी पांच वर्षों में देश की वित्तीय एवं व्यावसायिक स्थितियों के बारे क्या सोचते हैं। रिपोर्ट

के मुताबिक, शहरी परिवार अमेरिका के साथ व्यापार जोखिम का अर्थव्यवस्था (वित्तीय एवं व्यावसायिक स्थिति) पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है। इससे निकट और दीर्घकालिक दोनों ही स्थितियों में कारोबार को लेकर परिवारों के आशावाद में अगस्त में 1.5 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि निराशावादियों की संख्या करीब 2 फीसदी बढ़ गई है।

परिवारों को कमाई बढ़ने की उम्मीद

देश की व्यावसायिक और आर्थिक स्थितियों को लेकर चिंतित शहरी उपभोक्ताओं को अगले साल अपने परिवार की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। इससे आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति की उम्मीद रखने वाले परिवारों का अनुपात अगस्त में बढ़कर 43.6 फीसदी पहुंच गया, जो जुलाई में 43 फीसदी रहा था। ऐसे परिवारों का अनुपात जुलाई के 42.6 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 42.9 फीसदी पर पहुंच गया, जो मानते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति एक साल पहले से बेहतर हुई है। शहरी परिवारों में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर (एसी) जैसी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं खरीदने की इच्छा में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वह भी तब, जब ये परिवार उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीदारी के लिए इसे अच्छा समय मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीद टालने वाले शहरी परिवारों की हिस्सेदारी अगस्त में घटकर 35 फीसदी रह गई, जो जुलाई में 36.5 फीसदी थी। जीएसटी सुधार से एसी, टीवी व वाहन जैसे उत्पाद 10 फीसदी सस्ते हो जाएंगे।इससे परिवारों का खरीद को लेकर नजरिया बदलेगा।

व्यापारी से 24.76 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी

शक के घेरे में साइप्रस से जुड़े कॉल सेंटर

मुंबई, एजेंसी। कोच्चि में एक व्यापारी के साथ हुई 24.76 करोड़ रुपये की ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी मामले में पुलिस को साइप्रस-आधारित कॉल सेंटर की भूमिका पर शक है। पुलिस के अनुसार, मार्च 2023 से व्यापारी के पैसों को जिन बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था, उनकी जांच जारी है। इस संबंध में कोच्चि साइबर पुलिस ने 1 सितंबर को मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता व्यापारी की पहचान निमेश के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यह ठगी ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कैपिटलिक्स के जरिए हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कैपिटलिक्स, जो अमेरिका में पंजीकृत है, एक ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म संचालित करता है।

व्यापारी से सबसे पहले एक मलयालम बोलने वाले शख्स ने संपर्क किया, जिसने खुद को डेनियल बताया। बाद में निमेश ने स्टॉक ट्रेडिंग के संबंध में उससे बातचीत की। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब पिछले महीने निमेश ने अपना निवेश और मुनाफा वापस लेने की कोशिश की। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि लेनदेन और संचार माध्यमों की जांच के बाद, साइप्रस स्थित एक कॉल सेंटर की संलिप्तता का संदेह है। हम इस कॉल सेंटर के संचालन की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि शिकायतकर्ता से डेनियल नामक एक मलयालम भाषी व्यक्ति ने संपर्क किया था, इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कॉल सेंटर ने साइबर धोखाधड़ी के लिए केरलवासियों को काम पर रखा होगा। उन्होंने कहा कि डेनियल नाम फर्जी हो सकता है। पहली बार यूरोपीय देश के कॉल सेंटर पर की जा रही जांच

अर्बन कंपनी समेत कई कंपनियों के आईपीओ में निवेश करने का मौका मिलेगा अगले सप्ताह

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ बाजार में अगले हफ्ते काफी हलचल रहने वाली है। आठ सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान कई कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस दौरान निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से तीन कंपनियों पर रहेगा - अर्बन कंपनी , देव एक्सीलेरेटर और श्रृंगार हाउस ऑफ़ मंगलसूत्र। ये कंपनियां मिलकर 2,700 करोड़ रुपये से ज़्यादा जुटाने की तैयारी में हैं।

आगामी सप्ताह सिर्फ़ नए आईपीओ ही नहीं आ रहे हैं, बल्कि आठ कंपनियों के शेयर भी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होने वाले हैं। दूसरा, इसके पहले शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली कंपनियों में अमांता हेल्थकेयर भी शामिल है, जिसका आईपीओ 86.6 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ था। इसके शेयर अगले मंगलवार मतलब कि नौ सितंबर को लिस्ट हो रहे हैं।

इस समय देश में होम सर्विस देने वाली सबसे बड़ी कंपनी है अर्बन कंपनी है। दिल्ली एनसीआर के गड़गांव की यह कंपनी 1,900 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। यह 10 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें निवेशक 12 सितंबर तक आवेदन दे सकेंगे। इस आईपीओ में दो चीजें शामिल हैं। एक तो कंपनी नए शेयर जारी करेगी, जिससे उसे 472 करोड़ रुपये मिलेंगे। दूसरा, जो पहले से शेयर होल्डर हैं, वे अपने 1,428 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। कंपनी ने एक शेयर की प्राइस बैंड 98 से 103 रुपये के बीच तय किया है। इस कीमत पर कंपनी का लक्ष्य है कि आईपीओ के बाद उसकी वैल्यू 14,095 से 14,790 करोड़ रुपये हो जाए। यह आईपीओ 2025 में आने वाले कुछेक टेक आईपीओ में से एक है। फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस बनाने वाली कंपनी देव एक्सीलेरेटर का आईपीओ भी अगले सप्ताह ही बाजार में हिट कर रहा है। फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस का मतलब है, ऐसी जगह जहां लोग कुछ समय के लिए ऑफिस किराए पर ले सकते हैं। इस कंपनी का आईपीओ 10 सितंबर को खुलेगा और 12 सितंबर को बंद हो जाएगा। कंपनी ने एक शेयर का मूल्य दायरा 56 से 61 रुपये के बीच तय किया है। कंपनी 23.5 मिलियन (2 करोड़ 35 लाख) नए शेयर जारी करके 143 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। अगर शेयर की कीमत प्राइस बैंड के अपर लेवल मतलब कि 61 रुपये रखती है, तो कंपनी की वैल्यू लगभग 550 करोड़ रुपये होगी।

20 साल पुराने विमानों को आयात करा सकेंगी एयरलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विमानों के आयात संबंधी नियमों में बदलाव करने जा रहा है। इसके तहत अब एयरलाइंस को 20 साल पुराने विमानों के आयात की अनुमति होगी। वर्तमान में, 18 वर्ष तक पुराने विमानों को ही कुछ शर्तों के साथ देश में आयात करने की अनुमति है। डीजीसीए ने नागर विमानन प्रावधानों (सीएआर) में संशोधन का मसौदा जारी किया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संशोधन मसौदे में यात्री विमानों की अधिकतम आयु सीमा 18 से बढ़ाकर 20 वर्ष और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए उम्र सीमा 20 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने का प्रस्ताव है। मसौदे के मुताबिक, यात्री सेवाओं और सामान्य विमानन संचालन के लिए आयात किए जाने वाले दाबयुक्त विमान 20 वर्ष से अधिक पुराने नहीं होने चाहिए। साथ ही जरूरी है ऐसे विमानों के डिजाइन आर्थिक आयु का 65 प्रतिशत से अधिक उपयोग नहीं हुआ हो।

जहां तक प्रशिक्षण व निजी विमानों का सवाल है तो इनके आयात की अनुमति हरेक मामले को ध्यान में रखते हुए दी जाएगी।

नौकरी छोड़कर ऑनलाइन बिजनेस शुरू किया, अब करोड़ों का टर्नओवर

- पिता की सलाह आई काम
- लॉकडाउन को मौके के तौर पर देखा
- सिंपल रखा बिजनेस मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है दिल्ली की युवा उद्यमी प्रीतिका सिंह की। उन्होंने सिर्फ 26 साल की उम्र में अपनी नौकरी छोड़कर कारोबारी जगत में कदम रखने का फैसला किया। उनका यह दांव सही साबित हुआ। प्रीतिका ने मार्च 2020 में 'मोह' नाम से अपना ब्रांड शुरू किया। यह एक फर्नीचर ब्रांड है। इसका टर्नओवर आज करोड़ों में पहुंच गया है। अपने पिता की सलाह पर उन्होंने यह बिजनेस शुरू किया था। आइए, यहां प्रीतिका सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

प्रीतिका सिंह दिल्ली की रहने वाली हैं। उन्होंने सिर्फ 26 साल की उम्र में अपनी नौकरी छोड़कर ऑनलाइन बिजनेस शुरू करने की ठानी। अपने पिता की सलाह और खुद की दूरदर्शिता के साथ उन्होंने मोह नाम का एक फर्नीचर ब्रांड खड़ा किया। यह आज करोड़ों का टर्नओवर कर रहा है। प्रीतिका ने 2012 में मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड से 12वीं की पढ़ाई पूरी की। फिर उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के भगत सिंह कॉलेज से 2015 में बी.कॉम किया। 2016 में उन्होंने अर्न्स्ट एंड यंग में नौकरी की। वहां उन्होंने एक साल तक 22,000 रुपये प्रति माह के वेतन पर काम किया। बाद में वह किंग्स कॉलेज लंदन से इंटरनेशनल मार्केटिंग में स्नातकोत्तर करने गईं। लंदन से लौटने के बाद उन्होंने मार्च 2018 में इंटरनेशनल हेल्थकेयर कंपनी लैबोरेटरीज ग्रैंड फोंटेन में काम किया। उन्होंने जनवरी 2020 तक वहां काम किया। जनवरी 2020 में जब

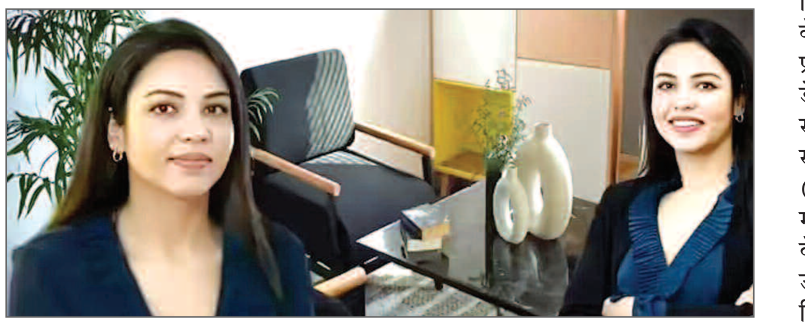

उन्होंने यह कंपनी छोड़ी थी तब उनकी सैलरी 50,000 रुपये थी। एक बिजनेस फैमिली से आने वाली प्रीतिका का मन शुरू से बिजनेस में लगता था। साल 2020 में उन्होंने अपने पिता के साथ एक ऐसे बिजनेस की योजना बनाई, जो उनकी मौजूदा कंपनी के संसाधनों का इस्तेमाल कर सके। इस तरह फर्नीचर का बिजनेस सामने आया। उन्होंने मार्च 2020 में 'मोह' की शुरुआत की। उनकी रणनीति सीधी थी। कम कीमत पर क्वालिटी फर्नीचर बेचना और सीधे ग्राहकों को अपनी वेबसाइट के जरिये उत्पाद पहुंचाना।

जिस समय देशव्यापी लॉकडाउन लगा, ज्यादातर बिजनेस ठप हो गए थे। लेकिन, प्रीतिका ने इसे अवसर के रूप में देखा। उनकी टीम ने महसूस किया कि 'वर्क फ्रॉम होम' के बढ़ते चलन के कारण स्टडी टेबल और डेस्क की भारी मांग होगी। उन्होंने तुरंत डब्ल्यूएफएच सीरीज' के तहत नए डिजाइन बनाए। उत्पादों की फोटो खींचना मुश्किल था। इसलिए उन्होंने सीजीआई (कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी) का इस्तेमाल किया और 3डी मॉडल वेबसाइट पर अपलोड किए। मई 2020 में वेबसाइट लाइव हुई। जून में उन्हें पहला ऑर्डर मिला। यह उनके लिए एक बड़ी सफलता थी। इसने साबित कर दिया कि वे सही रास्ते पर हैं।

पहले महीने में 3.5 लाख रुपये से शुरू हुई बिक्री लगातार बढ़ती गई। चार साल में मोह ने 8,000 से अधिक फर्नीचर पीस बेचे, जिससे उनका टर्नओवर 3.7 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। उनका बिजनेस पूरी तरह से ऑनलाइन और 'मेड-टू-ऑर्डर' मॉडल पर आधारित है। इससे उन्हें कोई फिजिकल स्टोर नहीं रखना पड़ता। आज उनके पास 900 से अधिक उत्पादों की रेंज है।

महंगा पड़ेगा शादी करना ! घोड़ी चढ़ने से पहले जान लें जीएसटी का हिसाब-किताब

ई दिल्ली, एजेंसी। ...या आप जल्द ही शादी करने ...ले है तो यह खबर आपके लिए ...। जीएसटी में हुए हालिया ...दलाव आपकी जेब पर सीधा ...सर डाल सकते हैं। कारोबारियों ...ा कहना है कि भले ही कई चीजों ...र टैक्स जस का तस है, लेकिन ...ापके कपड़ों, जूतों और हनीमून ...र होने वाला खर्च बढ़ने वाला है। ...ादी का बजट फाइनल करने से ...हले, यहां समझिए जीएसटी का नया हिसाब-...िताब...

...टेट, डेकोरेशन और कैटरिंग पर जीएसटी में कोई ...दलाव नहीं किया गया है। पहले की तरह इन पर 18 ...तिशत जीएसटी ही लगेगा। शादी में बैंड-बाजा ...ग्गी, घोड़ी और शहनाई पर भी पहले की 18 ...तिशत जीएसटी ही लगेगा। इसी तरह बैंक्विट हॉल ...र ज्वेलरी की जीएसटी दरों में भी कोई बदलाव नहीं ...िया गया है। बैंक्विट हॉल पर 5 प्रतिशत और ज्वेलरी ...र 3 प्रतिशत जीएसटी लगता है।

1000 रुपये से अधिक दाम वाले रेडीमेड कपड़े ...र पहले 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था, अब इसमें ...दलाव करके 2500 रुपये तक के रेडीमेड कपड़े ...र 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा जबकि 2500 रुपये से अधिक वाले रेडीमेड कपड़े पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगी, जिससे शेरवानी-सूट, लहंगा-चुनरी, कुर्ता-पजामा समेत कई कपड़े महंगे हो जाएंगे। कारोबारियों के मुताबिक, इन पर टैक्स पहले से छह प्रतिशत अधिक हो जाएगा। 2500 रुपये तक के जूते पर अब 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि 2500 से ऊपर वाले जूते पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगी।

एयर टिकट के रेट पर जीएसटी शुल्क 12 से 18 प्रतिशत कर दिया गया है। टूर एंड ट्रैवल कारोबारी सिद्धार्थ गोयनका बताते है कि अगर आप विदेश में हनीमून मनाने का प्लान कर रहे है तो पूरे पैकेज पर 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। यानी अगर 5 लाख रुपये का पैकेज है तो इसमे 20 से 25 हजार रुपये की बढ़ोतरी होगी

सोने में कुछ ज्यादा ही हुई बढ़ोतरी

फिर बढ़ा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

गोल्ड रिजर्व तो खूब बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। अपना विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से संभल गया है। एक सप्ताह पहले ही इसमें भारी गिरावट हुई थी। आरबीआई के अनुसार बीते 29 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 3.51 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान एफसीए से ज्यादा सोने के भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अब अपना भंडार बढ़ कर 694.230 अरब तक बढ़ गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 29 अगस्त 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 3.510 अरब की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 4.386 अरब की भारी गिरावट हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 694.230 अरबका हो गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब के रेकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में बढ़ोतरी हुई है। 29 अगस्त 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 1.686 अरब की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 3.652 अरबकी कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 583.937 अरब का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में एफसीए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 29 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 1.766 अरबकी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 464 मिलियन की कमी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोना का भंडार बढ़ कर 86.796 अरब का हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में भी वृद्धि हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 40 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18.755 बिलियन डॉलर का हो गया है।

यूएस ओपन

सेमीफाइनल में हार के बाद जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को कार्लोस अल्काराज के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी, जिसके बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह अगले साल एक पूर्ण ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को 6-4, 7-6(4), 6-2 से शिकस्त देकर अपने सातवें और न्यूयॉर्क में दूसरे मेजर फाइनल में प्रवेश किया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में करीब 2 घंटे 25 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज ने इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2024 पेरिस ओलंपिक में जोकोविच से मिली हार का बदला लिया। सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अब भी ग्रैंड स्लैम खेलना चाहता हूं। मैं अगले साल पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं। देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। लेकिन स्लैम तो स्लैम होते हैं। यह किसी भी अन्य टूर्नामेंट से अलग है। ये हमारे खेल के स्तंभ हैं। यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं। नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अपने टेनिस के स्तर से खुश हूं, लेकिन यह शारीरिक क्षमता की बात है। जैसा कि मैंने क्वार्टर फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं अपने शरीर को इस स्तर और लय को कई घंटों तक बनाए रखने के लिए तैयार करने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। अपने करियर के इस पड़ाव पर यह ऐसी चीज है, जिस पर मेरा नियंत्रण नहीं है। 100 टूर-लेवल खिताब जीत चुके नोवाक जोकोविच ने माना कि जब वह शारीरिक रूप से अपना स्तर बनाए नहीं रख पाते तो यह निराशाजनक होता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनकी उम्र में यह अपेक्षित है। जोकोविच ने कहा, यह समय और उम्र के साथ आता है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा का रोमांच महसूस करता हूं। इस मैच में दर्शकों से काफी सपोर्ट मिला। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैंने खेल का भरपूर आनंद लिया। यही एक बड़ी वजह है कि मैं खेलता जा रहा हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुझे दुनियाभर से जो प्यार मिला, वह अद्भुत है। कार्लोस अल्काराज अपने छठे ग्रैंड स्लैम खिताब और पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर वापसी की राह पर कायम हैं।

हॉकी इंडिया ने वंदना कटारिया और ललित उपाध्याय को सम्मानित किया

राजगीर, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को महिला हॉकी टीम की पूर्व फॉरवर्ड वंदना कटारिया और पुरुष हॉकी टीम के पूर्व फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय को खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की है। सम्मान समारोह राजगीर, बिहार में चल रहे पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान आयोजित किया गया। हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को राष्ट्रीय टीमों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए 5-5 लाख रुपये के चेक प्रदान किए। अप्रैल में आधिकारिक रूप से संन्यास लेने वाली वंदना ने 15 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर को अप्रैल में अलविदा कहा था। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 158 गोलों के साथ वह भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण के बाद से वंदना भारतीय हॉकी के सबसे बड़े चेहरों में रही हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत का ऐतिहासिक चौथा स्थान उनके करियर की खास उपलब्धि रही। वह ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाली पहली और एकमात्र भारतीय बनी थीं। सम्मान मिलने पर वंदना कटारिया ने कहा, भारत की जर्सी पहनना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया है और मैं इन यादों को हमेशा संजो कर रखूंगी। मैं इस सम्मान के लिए हॉकी इंडिया की और सबसे बढ़कर, अपने उन साथियों की बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने पिछले 15 वर्षों में हर उतार-चढ़ाव साझा किया। वे मेरे लिए एक परिवार की तरह थे। हमने एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया, एक-दूसरे का साथ दिया और हर जीत का जश्न साथ मिलकर मनाया। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनके विश्वास, कड़ी मेहनत और जज्बे के बिना संभव नहीं होता। मैं अपने परिवार की भी उतनी ही आभारी हूं, जो हर चुनौती और त्याग में मेरे साथ मजबूती से खड़े रहे और जिनके निरंतर प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ते रहने की शक्ति दी। मैं अपने सभी कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इस पूरे सफर में मुझे प्रेरित किया। ललित कुमार उपाध्याय ने जून में संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 2014 में भारत के लिए डेब्यू किया था। 11 वर्षों में ललित ने भारत के लिए 183 मैच खेले और 67 गोल किए। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद फॉरवर्ड में से एक बन गए। सम्मान समारोह में ललित ने कहा, मुझे भारतीय हॉकी के कुछ सबसे ऐतिहासिक

पलों का हिस्सा बनकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है। वाराणसी के एक छोटे से गांव से लेकर ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक का सफर खास रहा है। उन्होंने कहा, उच्चतम स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से एक सपना रहा है और मैं अपने परिवार, कोचों, साथियों, सहयोगी स्टाफ और हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। यह सम्मान उन सभी का है और मैं हॉकी इंडिया को जो भी उपयुक्त लगे, हॉकी को वापस देने के लिए हमेशा मौजूद रहूंगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने दोनों की प्रशंसा करते हुए कहा, वंदना और ललित भारतीय हॉकी के असाधारण राजदूत रहे हैं। वंदना ने अपने निडर प्रदर्शन और अविश्वसनीय यात्रा से लाखों लोगों को प्रेरित किया, जबकि ललित की प्रतिभा और निरंतरता ने महत्वपूर्ण मैचों में पुरुष टीम के लिए बेहद जरूरी जोश भरा। हॉकी इंडिया की ओर से मैं उन्हें उनके करियर के लिए बधाई देता हूं और खेल में उनके अपार योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, वंदना और ललित दोनों ही भारतीय हॉकी की भावना, लचीलापन, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। उनके समर्पण ने न केवल देश को गौरवान्वित किया है, बल्कि अनगिनत युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित भी किया है। हॉकी इंडिया को उन्हें सम्मानित करते हुए गर्व हो रहा है और हम उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं।

फिडे ग्रांड स्वीसः

विश्व चैंपियन गुकेश को 14 साल के यागिज ने ड्रॉ पर रोका

वैशाली संयुक्त रूप से शीर्ष पर

समरकंद, एजेंसी। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। महिलाओं के वर्ग में भारत की वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

प्रज्ञानंद ने की वापसी

ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। दूसरी ओर, भारत के एक अन्य ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने वापसी की और रूस के जेनलियान्स्की के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रहे। जेनलियान्स्की फिडे झंडे के तले खेलने उतरे क्योंकि रूस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ओपन वर्ग में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा, ईरान के परहम माघसूदलो और स्लोवेनिया के एंटन डेमचेंको दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

सूर्यकुमार यादव से छीन लेना कप्तानी

एशिया कप 2025 से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी ने आखिर क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए मैदान पर उतरेगी। सूर्यकुमार यादव पहली बार एशिया कप में टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं, लेकिन इस टूर्नामेंट के शुरू होने से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी मोंटी पनेसर ने उन्हें लेकर चौंकाने वाला बयान दिया। मोंटी पनेसर का मानना है कि अगर सूर्यकुमार यादव इस टूर्नामेंट में अच्छा नहीं कर पाए और अगर उनकी कप्तानी में भारत चैंपियन नहीं बन पाता है तो उनसे कप्तानी छीन लेनी चाहिए और उनकी जगह भारतीय टी20 टीम का कप्तान शुभमन गिल को बना देना चाहिए जो इस वक्त भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान भी हैं। मोंटी पनेसर ने इंडिया टीवी से बात करते हुए कहा कि शुभमन गिल में तीनों प्रारूप में भारतीय

टीम की कप्तानी करने की क्षमता है। अगर सूर्यकुमार यादव टी20 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते है या फिर एशिया कप नहीं जीत पाते हैं और मुझे लगता है कि भारतीय चयनकर्ता उनसे आगे बढ़कर सिमित ओवरों की कप्तानी शुभमन गिल को सौंप सकते हैं। रोहित शर्मा के वनडे कप्तान के पद से हटने के बाद इस बात की पूरी संभावना है कि गिल सभी प्रारूपों में भारत की कप्तानी कर सकते हैं। आपको बता दें कि गिल को रोहित शर्मा के बाद पहले टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया और अब एशिया कप से पहले उन्हें भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद वो सिमित ओवरों के क्रिकेट में नेतृत्व समूह में शामिल हो गए थे। श्रीलंका दौरे से पहले उन्हें वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया था और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वो भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान भी थे।

श्रेयस अय्यर को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बन सकते हैं इंडिया के कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इन दिनों एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चयनित नहीं किए जाने के बाद काफी सुर्खियों में हैं। श्रेयस एशिया कप में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, लेकिन उनके सामने अभी एक मौका है। ऑस्ट्रेलिया ए के साथ इंडिया ए टीम को दो मैचों कि अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है।

के स्कोर पर खलील अहमद की गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन इस छोटी पर तेज पारी का उनके चयन पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। इस बात की संभावना है कि वो इंडिया ए के लिए दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। श्रेयस आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक थे, लेकिन एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में उन्हें कोई जगह नहीं दी गई, लेकिन लाल गेंद वाले मैचों के लिए उनका चयन किया जाना इस बात का संकेत है कि भविष्य में टेस्ट प्रारूप के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है भले ही वो वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज हो या फिर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टेस्ट सीरीज हो। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मौजूदा दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के अलावा नितीश रेड्डी, अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जैसे कुछ अन्य खिलाड़ियों के चयन पर भी विचार किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जब चयनकर्ता इंडिया ए की टीम को चुनने के लिए बैठेंगे तो श्रेयस का नाम उनके सामने प्रमुख तौर पर होगा। चयनकर्ताओं के सामने मुख्य मसला ये होगा कि उन्हें क्या भूमिका दी जाए। क्रिकबज के मुताबिक इस बात की संभावना है कि उन्हें टीम में प्रमुख भूमिका मिलेगी और वो कप्तानी या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत दौरे पर अगले सप्ताह आने वाली है। श्रेयस अय्यर इस वक्त बेंगलुरु में हैं और दलीप ट्रॉफी मुकाबले में वेस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। वेस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ वो सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में 25 रन

भारत नहीं आएगी पाकिस्तानी टीम...

महिला वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी से बनाई दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 30 सितंबर को होगी और खिताबी मुकाबला 2 नवंबर को आयोजित होगा. वूमेन्स वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी 30 सितंबर को गुवाहाटी के डॉ. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में होनी है, जिसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं. ओपनिंग सेरेमनी में सभी टीमों को शामिल होना था, जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्रॉफी के साथ फोटोशूट भी होना था. लेकिन अब खबर ये आ रही है कि पाकिस्तानी टीम ओपनिंग सेरेमनी में भाग नहीं लेगी. जियो सुपर की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी टीम ओपनिंग सेरेमनी के लिए भारत नहीं जाएगी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से भी कोई प्रतिनिधि भी इस सेरेमनी में नहीं पहुंचेगा.

दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच समझौता हुआ था, जिसके मुताबिक अगले तीन साल तक उनकी टीम्स एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी. इसकी शुरुआत आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 से हुई थी, जिसमें भारत ने अपने सभी मुकाबले दुबई में खेले थे. अब महिला वर्ल्ड कप में

पाकिस्तान अपने सभी मुकाबले कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगा. अगर पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल या फाइनल में भी पहुंचती है तो भी उसके मुकाबले कोलंबो में आयोजित होंगे. पाकिस्तानी टीम अपने वर्ल्ड कप अभियान का आगाज 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगी. जबकि भारत के विरुद्ध उसका मुकाबला 5 अक्टूबर को खेला जाएगा. पाकिस्तानी टीम फातिमा सना की कप्तानी में वर्ल्ड कप मुकाबले खेलेगी. टीम की उप-कप्तान मुनीबा अली होंगी. जबकि वहीं आलिया रियाज, डायना बेग, नशरा संधू जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी स्क्वॉड में शामिल हैं.

पाकिस्तानी टीमः

फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, इमान फातिमा, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सैयदा अरूब शाह.

ट्रिपल एच ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में किया इस हसीन महिला रेसलर का जोरदार स्वागत, 3800 दिनों के बाद रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स में शुक्रवार की रात एक बड़ा धमाका हुआ जब पूर्व दिवाज चैंपियन एजे ली ने 10 साल बाद स्मैकडाउन में वापसी की। इस खबर ने फैंस को हैरान कर दिया, लेकिन जो कुछ टीवी पर दिखाया गया उससे भी ज्यादा खास था पर्दे के पीछे का दृश्य। डब्ल्यूडब्ल्यूई के हेड ऑफ क्रिएटिव, ट्रिपल एच ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एजे ली अपनी सरप्राइज एंट्री से ठीक पहले डब्ल्यूडब्ल्यूई का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रही हैं। ट्रिपल एच ने वीडियो के साथ लिखा, 'स्याही कागज पर। तूफान से पहले की शांति।' इस वीडियो में एजे ली शांत और गंभीर दिख रही थीं और उनके चेहरे पर 10 साल बाद रिंग में लौटने की भावना साफ झलक रही थी। यह वीडियो तुरंत वायरल हो गया, जिसने फैंस को उनकी वापसी के एक खास पल का गवाह बनाया। एजे ली जो तीन बार दिवाज चैंपियन रह चुकी हैं उन्होंने मार्च 2015 में गर्दन की गंभीर चोट के कारण रिटायरमेंट ले लिया था। तब से उनके पति सीएम पंक या उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जब भी रिंग में आते थे, तो फैंस एजे ली के नाम के नारे लगाते थे। उनकी वापसी का यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि यह शिकागो में हुआ, जहां सीएम पंक और बेकी लिंच के बीच तनाव चरम पर था।

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले बीसीसीआई सचिव

हमें केंद्र सरकार की बात का पालन करना होगा

गुवाहाटी (असम), एजेंसी। दुबई में 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर चल रही आलोचनाओं के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में जारी नीति का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसी भी ऐसे देश के साथ बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता। टूर्नामेंट में भारत के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने पर नाराजगी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ गुस्से से उपजी है, जिसमें इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मुकाबले को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और मैच का बहिष्कार करने का सुझाव भी दिया है। अगस्त में केंद्र सरकार ने खेल आयोजनों में भारतीय एथलीटों के पाकिस्तानी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से निपटने के लिए एक नीति में संशोधन किया था। नीति के अनुसार भारत को बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन वह द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से परहेज करेगा।

सैकिया ने बताया, 'जहां तक बीसीसीआई का सवाल है, हमें केंद्र सरकार द्वारा औपचारिक रूप से तय की गई हर बात का पालन करना होगा। हाल ही में, किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी के संबंध में हमारी जो नीति लागू हुई है, उसके अनुसार केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, चाहे हम उन देशों के साथ खेलें जिनके भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें खेलना होगा। और साथ ही किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए जब कोई देश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता है, तो हमें अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलना होगा। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों का सवाल है, हम अपने किसी भी विरोधी देश के साथ नहीं खेलने जा रहे हैं।'

क्या कभी इस बात का अफसोस होता है कि बेटी को समय नहीं दे पाए?

अगर कोई कहता है कि ऐसा नहीं होता, तो वह सच में किसी और दुनिया में जी रहा है। अगर पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, तो किसी तरह से बच्चे की देखभाल का रास्ता निकाल ही लेते हैं। लेकिन अगर सिर्फ एक बाहर काम कर रहा है, तो उसके लिए यह अफसोस और भी गहरा होता है। ये एक अलग तरह का दर्द है और साथ ही मजबूरी भी है।

मायानगरी छोड़ना चाहते हैं मनोज बाजपेयी?

मनोज बाजपेयी की फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इसके अलावा मनोज बाजपेयी 27 साल बाद राम गोपाल वर्मा के साथ भी काम कर रहे हैं। अभिनेता ने इन दोनों फिल्मों, करियर और निजी जीवन पर विस्तार से बात की।

'इंस्पेक्टर जेंडे' ऑफर होने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जब स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मिली तो लगा कि यह कोई सीरियस गंभीर थ्रिलर फिल्म होगी। जैसे पुलिस वाले की परेशानियों भरी कहानियां होती हैं, लेकिन जब पढ़ना खत्म किया तो मजा आ गया। मैं खुद चौंका क्योंकि बार-बार हंसी आ रही थी। कहानी में कॉमेडी बिल्कुल जबरदस्ती ठूंसी हुई नहीं लगी। यह सब पढ़कर लगा कि इसमें एक्टिंग करते समय खुद से भी बहुत कुछ नया करने का मौका मिलेगा।

बतौर एक्टर कई गंभीर रोल करने के बाद जब ऐसी हल्की-फुल्की फिल्में करते हैं, तो क्या कोई फर्क महसूस होता है?

हां, फर्क तो पड़ता है। चाहे मैं हल्का रोल करूं या गंभीर, मेरी कोशिश रहती है कि घर जाकर सामान्य रहूं। लेकिन सच में ऐसा हो नहीं पाता। मेरी जिंदगी कहीं न कहीं सेट से जुड़ जाती है। शूटिंग के दौरान मेरी हमेशा कोशिश रहती थी कि जल्दी घर पहुंच जाऊं। लेकिन मुंबई का ट्रैफिक बड़ा झंझट है। शाम को निकलने पर जब तक घर पहुंचता हूं, फैमिली सो चुकी होती है। मेरी बेटी जब छोटी थी तो मेरा इंतजार करते हुए सो जाती थी। फिर जब मैं घर पहुंचता तो वो उठ जाती थी और फिर उसे सुलाना मुश्किल हो जाता था। ऐसे में फिर मैंने होटल में रहना शुरू किया। अगर शूटिंग मुंबई में भी हो, तो मैं घर न जाकर सेट के पास वाले होटल में ठहरता हूं। इससे मेरा रूटीन बना रहता है।

किस रोल से बाहर आने में सबसे ज्यादा वक्त लगा?

मेरे साथ यह अनुभव 'शूल' के समय हुआ था। उस समय हमें यह तो समझ आ गया था कि किरदार में कैसे जाया जाता है, लेकिन यह नहीं पता था कि उससे कैसे बाहर निकला जाए। मेरी पर्सनैलिटी भी ऐसी रही है कि अगर किसी ने कुछ कह दिया, तो वह दिमाग में घूमता रहता था। इग्नोर करना मुझे आता ही नहीं था। सत्या के 'भीकू मात्रे' के किरदार से निकलने में भी काफी वक्त लगा। यहां तक कि उस दौरान मैं ज्यादा गालियां देने लगा था और गुस्सा भी ज्यादा आने लगा था। उसे छोड़ने में काफी मेहनत लगी। बाद में जब अनुभव बढ़ा, तो बाकी रोल्स के साथ यह समझ भी आ गई कि किरदार से कैसे बाहर निकला जाए। लेकिन 'शूल' वाला रोल मेरे लिए सबसे मुश्किल था।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर बोलीं श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं। इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

'धमाल-4' की शूटिंग पूरी, जानिए फिल्म कब होगी रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धमाल-4' साल 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स ने फैंस को खास अंदाज में ये जानकारी दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट के जरिए शूटिंग पूरी होने की घोषणा दी, जिसमें अखबार नुमा चित्र है और उस पर 'धमाल टाइम्स' और 'ब्रेकिंग न्यूज' लिखा हुआ है। अभिनेता ने इस पोस्ट को कैप्शन दिया, आज की ताजा खबर आपके लिए लेकर आ रहे हैं, वो गैंग जो अब जल्द ही लूटने आ रहे हैं आपका दिल और दिमाग। 'धमाल-4' ईद 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टी-सीरीज ने भी यह पोस्ट अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ये स्वाइप करते-करते आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंच सकते हो, पर क्या करें? खबर ही ऐसी है, धमाल 4 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब मजेदार धमाल शुरू होगा! ईद 2026 में मिलते हैं! इसी के साथ ही अभिनेत्री ईशा गुप्ता, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और बाकी कलाकारों ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म को टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है और इसका निर्माण अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक मिलकर कर रहे हैं।

माता-पिता के अलग होने के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला

अंशुला कपूर अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर की पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी हैं। हालांकि, श्रीदेवी से शादी के बाद बोनी कपूर और मोना की शादी टूट गई और दोनों अलग हो गए। अब अंशुला ने अपने माता-पिता के अलग होने के वक्त को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे माता-पिता के अलगाव का असर उनके बचपन पर पड़ा था और कई वर्षों तक वो खुद को इसके पीछे की वजह मानती रहीं।

खुद को दोषी समझती थीं अंशुला

बातचीत के दौरान अंशुला ने बताया कि कई साल तक मुझे यह समझ ही नहीं आया कि आखिर मेरे माता-पिता अलग क्यों हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता के अलग होने के बाद शायद 5-6 साल की उम्र में मुझमें आत्मविश्वास की कमी आ गई। मैंने लंबे समय तक यही सोचा कि मेरे माता-पिता का रिश्ता मेरी वजह से नहीं चल रहा और इनके अलग होने की असली वजह मैं हूं। छह साल की बच्ची के लिए इतना बोझ उठाना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरी मां ही थीं जिन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि रिश्ते दो लोगों के बीच होते हैं। वे उन दो लोगों के बीच होने वाली घटनाओं से शुरू और खत्म होते हैं। एक बच्चे के रूप में आपका उन पर कोई असर नहीं होता।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

अनुपम खेर ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के भाषण पर जताया आभार, कहा- 'भारत हमेशा सर्वोपरि रहेगा'

बॉलीवुड में ऐसे कई अभिनेता हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, असल जिंदगी में भी लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। अनुपम खेर ऐसे ही कलाकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में कभी गंभीर, कभी हास्य भरे, और कभी भावुक कर देने वाले जैसे अलग-अलग किरदार निभाए हैं। लेकिन इन सबके बीच जो बात उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है उनका देश के प्रति गहरा प्रेम और बेबाक अंदाज। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और देश के हित से जुड़ी बातों पर अपने विचार खुलकर रखते हैं। शनिवार को अनुपम खेर ने एक वीडियो साझा की जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक सार्वजनिक मंच से भाषण दे रही हैं। भाषण के दौरान उन्होंने अनुपम खेर के देशभक्ति से जुड़े साहसी रवैये की प्रशंसा की। खेर के अनुसार, यह क्लिप किसी ने उन्हें भेजी, जिसे देखकर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अनुपम खेर ने कहा कि यह भाषण सुनकर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए देशभक्ति एक सामान्य बात है और भारत हमेशा सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा, ÷दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, किसी ने मुझे आपके इस भाषण का अंश भेजा, जहां आपने मेरे देश के प्रति अपने साहस को दिखाने की प्रशंसा की। इसके लिए आपका धन्यवाद एवं आभार। मेरे लिए तो ये स्वाभाविक सी बात है। भारत हमेशा सर्वोपरि रहा है और रहेगा! जय हिन्द। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अनुपम खेर के विचारों की सराहना की और कहा कि वे सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, असल ज़िंदगी में भी एक सच्चे देशभक्त हैं।

साभार एजेंसी